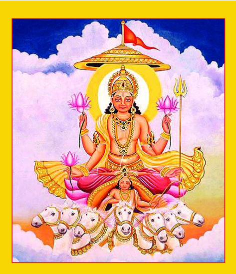

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

9 सितम्बर- 15 सितम्बर 2026

jagrukjanta.net

भाद्रपद, पक्ष - कृष्ण, तिथि - त्रयोदशी, संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-28, साप्ताहिक मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

निकाय चुनावः स्कूल-कॉलेज सहित सभी कार्यालयों में रहेगा अवकाश

39 जिलों में पहले चरण का मतदान आज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के 39 जिलो के 162 नगरीय निकायों में आज मतदान होना है. इसमें 4 नगर निगम, 24 नगर परिषद और 134 नगर पालिकाएं शामिल हैं. मतदान को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं और मतदान दलों को केंद्रों के लिए रवाना किया जा रहा है. मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा. आज मतदान वाले एरिया में सार्वजननिक अवकाश रहेगा।

39 जिलों के नगरीय निकाय में मतदान

अजमेर, नागौर, टोंक, ब्यावर, भीलवाड़ा, कोटपूतली-बहरोड़, बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधोपुर, जयपुर, अलवर, सीकर, झुंझुनूं, जोधपुर, जालोर, पाली, सिरोही, कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, डीडवाना-कुचामन, करौली, दौसा, डीग, खैरथल-तिजारा, जैसलमेर, बाड़मेर और बालोत के नगरीय निकाय में मतदान होगा।

जयपुर के 18 नगरीय निकायों में वोटिंग

जयपुर के 18 नगरीय निकायों में मतदान होगा. इसके लिए 565 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. चौमूं और शाहपुरा नगर परिषद के साथ 16 नगर पालिकाओं में मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे. इनमें दूदू, किशनगढ़-रेनवाल, जोबनेर, बस्सी, सांभरलेक, वाटिका, चाकसू, जमवारामगढ़, फागी, नारायणा, फुलेरा, मनोहरपुर, बगरू, कानोता, खेजरोली और कालाडेरा नगर पालिका शामिल हैं।

रहेगा सार्वजनिक अवकाश

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने मतदान वाले क्षेत्रों में 9 सितंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है. 11 सितंबर को जयपुर नगर निगम क्षेत्र में मतदान के दिन भी सार्वजनिक अवकाश रहेगा. पुनर्मतदान की स्थिति में संबंधित मतदान क्षेत्र में जिस दिन दोबारा वोटिंग होगी, उस दिन भी सार्वजनिक अवकाश रहेगा। मतदान वाले क्षेत्रों में नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत भी अवकाश लागू रहेगा।

आदेश का पालन करने के निर्देश

मतदान वाले क्षेत्रों के औद्योगिक और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मचारियों को सवैतनिक अवकाश देना अनिवार्य किया गया है. इसमें आकस्मिक कामगार भी शामिल हैं. प्रशासन ने नियोजकों को निर्देश दिए हैं कि कर्मचारियों को मतदान का अधिकार सुनिश्चित किया जाए. मतदान के लिए अवकाश नहीं देने वाले नियोजकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है. जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित विभागों और प्रतिष्ठानों को आदेश की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

अब ग्रामीण भी 25 दिनों में ले सकेंगे अगला गैस सिलेंडर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राजस्थान समेत देश भर के रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए राहत भरा फैसला लिया है। अब ग्रामीण क्षेत्रों के घरेलू एलपीजी उपभोक्ता भी शहरवासियों की तरह 25 दिनों के अंतराल पर अपना गैस सिलेंडर बुक करा सकेंगे। पहले ग्रामीण इलाकों के लिए यह सीमा 45 दिनों की तय की गई थी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया, सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड जैसी प्रमुख तेल विपणन कंपनियों को इस नई व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। गौरतलब है कि ईरान-अमरीका युद्ध के चलते यह पाबंदिया लगाई गई थी।

MADHAV UNIVERSITY
(Established by the Rajasthan State Govt. Legislature Act No. 07 of 2014
ACCREDITED WITH 'A' GRADE BY NAAC
Entrance Test Exam Fee is 1500/-
ADMISSION OPEN 2026-27
Admission for UGC & State Govt. Norms.
APPROVAL BY STATE GOVT., UGC, AIU, NCH, RPMC, AYUSH, PCI, RCI, BCI.NCTE, NCVT)

HOMOEOPATHY
- B.H.M.S.

YOGA & NATUROPATHY
- BNYS - PGDYN
- DNYS - CCYN

ALLIED & HEALTHCARE
- Bachelor of Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Radiation Technology (BRT)
- Bachelor of Operation Theatre Technology (BOTT)
- Master of Medical Laboratory Technology (MMLT)
- Master of Radiation Technolog (MRT)
- Master of Operation Theatre Technology (MOTT)

PHYSIOTHERAPY
- BPT
- MPT (Musculoskeletal Science, Sports Science, Neurology Science)

LIBRARY
- D. LIBRARY - B. LIBRARY
- M. LIBRARY

COMMERCE & MANAGEMENT
- B.Com. - M.Com.
- BBA - MBA

COMPUTER SC. & APPLICATIONS
- DCA - BCA - PGDCA
- MCA - B.Sc. (IT) - M. Sc. (IT)

PH.D ALL ABOVE COURSES

ENGINEERING AI/ML
- B.Tech. AI/ML
- B.Tech. AI/Data Science
- BCA AI/ML
- BCA AI/Data Science
- BCA Cyber Security
- MCA AI/ML
- MCA AI/Data Science
- B.Sc. IT AI/ML
- B.Sc. IT AI/Data Science
- M.Sc. IT AI/ML
- M.Sc. IT AI/Data Science

ENGINEERING
- Diploma (Civil, Mechanical, Electrical, ECE. CSE, Mining, Fire & Safety)
- B. TECH.
- CSE with Specialization: (Artificial Intelligence & Machine Learning, Data Science)
- B.TECH (Civil, Mechanical, Electrical, ECE. CSE, Mining, Fire & Safety)
- M. TECH

I.T.I.
- Diesel - Fitter
- Electrician - Wireman

CLINICAL PSYCHOLOGY
- B.Sc. Clinical Psychology
- MA Clinical Psychology
- PDCP Clinical Psychology PGDRP

SCIENCE
- B. Sc. (PCM & CBZ)
- M. Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics, Zoology, Botany, Bio-Technology, Microbiology)

EDUCATION
- B.Ed.
- ITEP (B.A. B.Ed, B.Sc. B.Ed)
- MA EDUCATION

PHYSICAL EDUCATION
- D.P.Ed - B.P.Ed.
- M.P.Ed. - PGDSM

SPECIAL EDUCATION
- B.Ed. (HI) - B. Ed. (ID)
- D. Ed. (HI) - D. Ed. (IDD)
- ISTEP (FS) HI

PHARMACY
- D. Pharm - B. Pharm - M. Pharm

LAW
- B.A. LL.B. - LL.B. - LL.M. (2 Year)

ARTS, HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
- BA - MA - MSW - MA (Yoga)

Hospitality Mgmt. Hotel Mgmt. & Catering Technology
- Bachelor in HMCT- BHM
- MBA. Hotel Mgmt.
- PG Diploma in Hotel Mgmt./Catering Tech.
- UG. Diploma in Hotel Mgmt./Catering Tech.
- Certificate in Hotel Mgmt./Catering Tech.

Hospital Management
- MBA.in Hospital Management
- Executive MBA in Hospital Mgmt.
- PG. Diploma in Hospital Mgmt

AGRICULTURE *Scholarships As per the state Govt. Rules
- Diploma (1 Yr & 3 Yrs Courses)
- B.Sc. Hons.(Ag.)
- B.Sc. Hons.(Ag.) L.E.
- B.Sc. Hons. Agribusiness Management
- B.Sc. Hons. Natural Farming
- B.Sc. Hons. Organic Farming
- B.Tech Agricultural Engineering
- M.Sc. (Agri.) Agronomy, Genetics and Plant Breeding, Soil Science, Plant Pathology, Entomology, Agricultural Extension Education
- M.Sc. (Horti.) Fruit Science, Floriculture & Landscaping, Vegetable Science

UNIVERSITY CONTACTS 8875028991, 92, 93, 94 | WEBSITE: www.madhavuniversity.edu.in EMAIL: admission@madhavuniversity.edu.in
N.H.27, P.O. Bharja, Abu Road, Distt. - Sirohi (Raj.) -307032

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस

नये श्रम कोड में ग्रेच्युटी और छुट्टी नगदीकरण पर नियोक्ता की जिम्मेदारी को पुन: परिभाषित किया गया है।
हमारी विशेषज्ञता यह सुनिश्चित करेगी कि अनुपालन प्रक्रिया सरल, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार हो।

पेश है
एलआईसी की समूह योजनाएं

- नया ग्रुप ग्रैच्युटी कैश ऐक्युम्युलेशन प्लान - UIN: 512N281V04
- नया ग्रुप लीव एनकैशमेंट प्लान - UIN: 512N282V04
- नया ग्रुप सुपर ऐन्युएशन कैश ऐक्युम्युलेशन प्लान - UIN: 512N274V03
- ग्रुप पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट स्कीम - UIN: 512N352V01
- ग्रुप बेनिफिट्स सिक्योर प्लान UIN: 512N367V01

मुख्य विशेषताएं: वैज्ञानिक आधार पर फ़ंडिंग | आकर्षक ब्याज दरें | बीमा सुरक्षा का लाभ | नियमानुसार आयकर संबंधी लाभ | वार्षिकी भुगतान के कई विकल्प

अधिक जानकारी के लिए, यहां ईमेल करें groupbusiness@licindia.com या अपने अभिकर्ता/निकटतम एलआईसी पेंशन एवं समूह योजना इकाई से संपर्क करें

कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827 | विज़िट करें: www.licindia.in
हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या: 512
धोखेधड़ी वाले फ़ोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ
LIC/P1/2025-26/36/Hin

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?
देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...

Kabira® Healthy Growth Yellow Mustard Oil

Approved by: WHO GMP | one of the OLDEST OIL known to HUMAN | Natural Immunity Booster | FORTIFIED | 100% VEG. | COLD PRESSED | KOSHER

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।

- प्राचीन शीतल विधि घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधि उच्च ताप रहित।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्वारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमूखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

\# For Award Details : Contact 98290-50738
To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

प्रथम चरण के मतदान के लिए भवानी निकेतन से मतदान दल रवाना

18 नगरीय निकायों के 565 बूथों के लिए मतदान दल रवाना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत प्रथम चरण में 9 सितम्बर 2026 को प्रातः 7:00 से सांय 6:00 बजे तक होने वाले मतदान के लिए मंगलवार को मतदान दलों की रवानगी की गई। प्रथम चरण में जयपुर जिले की नगर परिषद् एवं नगरपालिकाओं के लिए नियुक्त मतदान दलों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, सीकर रोड, जयपुर से उनके संबंधित मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया गया। रवानगी स्थल पर मतदान दलों को आवश्यक निर्वाचन सामग्री उपलब्ध कराने, प्रशिक्षण तथा वाहनों की व्यवस्था की गई थी।

जिला निर्वाचन अधिकारी (म्यूनिसिपल) संदेश नायक ने सभी मतदान कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराना हम सब कि नैतिक जिम्मेदारी है। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकायों के चुनावों का जो दायित्व हमें प्रदान किया है उसे हमें निर्भीक एवं निष्पक्षता के साथ सुचारू रूप से संपन्न कराना है। उन्होंने कहा कि सभी पीठासीन अधिकारी अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर तत्काल मतदान हेतु प्रस्तावित भवन का सुक्ष्मता से निरीक्षण कर मॉडल मतदान केंद्र के ले-आउट के अनुसार मतदान केंद्र की स्थापना करें।

उन्होंने सभी मतदान कार्मिकों को निर्देशित किया कि बैलेट युनिट एक मेज पर वोटिंग कंपार्टमेंट में रखें, वोटिंग कंपार्टमेंट व कंट्रोल रूम में पर्याप्त दूरी हो, कंट्रोल युनिट से बैलेट युनिट को जोड़ने वाली केबल मतदान के सुचारू संचालन में बाधा न बने, यह सुनिश्चित् किया जाए कि कोई मतदाता मतदान कक्ष में केबल के साथ छेड़छाड़ करने का प्रयत्न ना करे, वोटिंग मशीन मतदान केंद्र की खिड़की या दरवाजे के समीप न हो, मतदाताओं के लिए मतदान कक्ष में प्रवेश व निकास की पृथक व्यवस्था सुनिश्चित् की जाए।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के मतदान के लिए नगर परिषद शाहपुरा एवं चौमूं तथा 16 नगरपालिकाओं के मतदान दलों की रवानगी की गई। इनमें मनोहरपुर, फुलेरा, सांभर, जोबनेर, खेजरोली, जमवारामगढ़, नारायणा, किशनगढ़-रेनवाल, बगरू, कालाडेरा, दूदू, चाकसू, फागी, वाटिका, कानोता एवं बस्सी शामिल हैं। संबंधित मतदान दलों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अलग-अलग पारियों में बुलाकर निर्वाचन सामग्री उपलब्ध कराई गई तथा इसके बाद उन्हें अपने-अपने मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया गया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम राजीव द्विवेदी, अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय युगांतर शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय देवयानी, अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ आशीष कुमार सहित मतदान दल से संबंधित अन्य अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित थे।

मतदान दिवस पर आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने मतदान दिवस के दौरान स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को बिना किसी दबाव, परेशानी अथवा बाधा के मताधिकार का प्रयोग करने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी राजनीतिक दल एवं अभ्यर्थी निर्वाचन ड्यूटी में लगे अधिकारियों के साथ सहयोग करें तथा अपने अधिकृत कार्यकर्ताओं को उपयुक्त पहचान-पत्र उपलब्ध करवाएं। मतदाताओं को दी जाने वाली पहचान पर्चियां सादे सफेद कागज पर हों तथा उन पर किसी राजनीतिक दल, अभ्यर्थी अथवा चुनाव चिह्न का उल्लेख नहीं किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदान दिवस एवं उससे पूर्व के 48 घंटों के दौरान किसी को शराब पेश अथवा वितरित नहीं की जाए। मतदान केन्द्रों के निकट लगाए गए कैम्पों पर अनावश्यक भीड़ एकत्रित नहीं होने दी जाए, ताकि विभिन्न दलों एवं अभ्यर्थियों के कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों के बीच तनाव अथवा संघर्ष की स्थिति उत्पन्न न हो। जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि किसी दल अथवा अभ्यर्थी द्वारा प्रतिद्वंद्वी दल के सदस्यों, नेताओं अथवा अन्य अभ्यर्थियों के पुतले लेकर चलने, उन्हें सार्वजनिक स्थान पर जलाने अथवा ऐसे प्रदर्शनों का समर्थन करने से बचा जाए। मतदान दिवस पर वाहनों के संबंध में निर्धारित निर्वाचन नियमों का पालन करते हुए संबंधित अधिकारियों से परमिट प्राप्त किया जाए तथा वाहनों पर परमिट स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्र से 200 मीटर की परिधि में किसी भी स्थिति में चुनावी कैम्प नहीं लगाया जाए तथा मतदान केन्द्र एवं उसकी 100 मीटर की परिधि में मतदाताओं से मतयाचना नहीं की जाए और न ही कार्यकर्ताओं को ऐसा करने दिया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकृत परमिट वाले वाहनों में अभ्यर्थी, उनके परिवारजन एवं निर्वाचन एजेंट तथा उनके परिवार के सदस्यों के अतिरिक्त किसी अन्य मतदाता को नहीं बिठाया जाए। साथ ही, कार्यकर्ताओं को ऐसे मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक लाने-ले जाने से पूर्णतः रोका जाए, जो उनके स्वयं के परिवारजन नहीं हैं।

जागरूक खबरें

मरुधरा के मोती संगीतमय संध्या जयपुर के जवाहर कला केंद्र में 13 को

जयपुर @ जागरूक जनता। पुष्प वीर संगीत संस्थान की तरफ से जयपुर के जवाहर कला केंद्र में एक भव्य संगीतमय संध्या "मरुधरा के मोती" का आयोजन 13 सितंबर को आयोजित की जाएगी। संगीत संस्थान के अध्यक्ष राज खजांची ने बताया कि इस संगीतमय संध्या में जयपुर की मशहूर गायिका तृप्ति भगत नग्मे प्रस्तुत करेंगी। साथ ही अनेक प्रतिष्ठित गायक कलाकार अपने गीतों से श्रोताओं का मनोरंजन करेंगे। संगीतमय संध्या में बीकानेर के राजीव मित्तल, पूनम मोदी, जवाहर जोशी, सुरेश मदान, डॉक्टर हिमांशु दाधीच, डॉक्टर सुधीर शर्मा, डॉक्टर प्रवीण चतुर्वेदी, कुमार महेश, राजेंद्र पड़िहार, विशाल आचार्य एवं नीरज स्वामी गीतों की प्रस्तुति देंगे।

चुरु की मनीषा को गोयनका रिकग्निशन अवार्ड

जयपुर @ जागरूक जनता। झुंझुनूं जिले में आयोजित गोयनका समुदाय के 'भादों आमवस्य उत्सव' के दूसरे दिन गोयनका रिकग्निशन अवार्ड की घोषणा की की गयी। गोयनका रिकग्निशन अवार्ड समिति के अध्यक्ष अरुण गोयनका ने बताया कि सात श्रेणियों में 19 लोगों को पुरस्कार के लिए चुना गया, जिनमें चूरू की मनीषा गोयनका को प्रोफेशनल केटेगरी में पुरस्कार के लिए चुना गया।

नगर निकाय चुनाव

77 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। 'वन स्टेट वन इलेक्शन' के तहत 2 चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण की वोटिंग 9 सितंबर और दूसरे चरण की वोटिंग 11 सितंबर को होगी. जबकि मतगणना 14 सितंबर को होगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने निकाय चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। अब राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे दावेदारों की गतिविधियां तेज होंगी। प्रत्याशियों ने नामांकन भी कर दिया। कुछ प्रत्याशियों के नामांकन रद्द भी हो गए। शहरी नगर निकाय चुनाव में 77 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। सभी 77 प्रत्याशियों में से 37 महिलाएं विजयी हुई हैं, भाजपा के 44, कांग्रेस 16 और 17 निर्दलीय विजयी हुए हैं।

निकाय का नाम	वार्ड	उम्मीदवार	पार्टी
खेड़ली नगर पालिका	10	मधु जैन	भाजपा
खेड़ली नगर पालिका	17	मोनिका अग्रवाल	भाजपा
नौगांव नगर पालिका	19	राजेश सिंह	भाजपा
रामगढ़ नगर पालिका	15	दीपिका तंवर	भाजपा
धोरीमन्ना नगर पालिका	3	गंगा राम	भाजपा
धोरीमन्ना नगर पालिका	13	शांति	निर्दलीय
बांसवाड़ा नगर परिषद	12	सोनिया वैष्णव	भाजपा
जैतारण नगर पालिका	1	नोजी देवी	भाजपा
नदबई नगर पालिका	19	गुरुदीप सिंह	निर्दलीय
नदबई नगर पालिका	27	राहुल कटारा	निर्दलीय
नदबई नगर पालिका	35	कमलेश	भाजपा
बीकानेर नगर निगम	69	लीला गहलोत	भाजपा
नापासर नगर पालिका	20	किशन दैया	भाजपा
नापासर नगर पालिका	24	राम रतन	भाजपा
हिंडौली नगर पालिका	20	हनुमान	कांग्रेस
बेगूं नगर पालिका	6	देवी लाल	भाजपा
बेगूं नगर पालिका	7	रवि	भाजपा
बेगूं नगर पालिका	33	शोभालाल	भाजपा
बेगूं नगर पालिका	34	सुमन देवी	भाजपा
बेगूं नगर पालिका	35	सुशील कुमार सेन	भाजपा
कपासन नगर पालिका	7	नसीम बेगम	भाजपा
बीदासर नगर पालिका	15	सुमन	भाजपा
दौसा नगर परिषद	26	यास्मिन खान	कांग्रेस
बृजनगर नगर पालिका	5	वेदप्रकाश	भाजपा
बृजनगर नगर पालिका	6	रामअवतार	निर्दलीय
बृजनगर नगर पालिका	13	कविता	निर्दलीय
बृजनगर नगर पालिका	35	देवेंद्र सिंह	निर्दलीय
डीग नगर परिषद	21	विकास कुमार	निर्दलीय
डीग नगर परिषद	24	कामिनी भगवत कौशिक	भाजपा
कुम्हेर नगर पालिका	18	धवन फौजदार	निर्दलीय
पहाड़ी नगर पालिका	2	साबरिन	निर्दलीय
पहाड़ी नगर पालिका	13	पिंकी कुमारी	भाजपा
सीकरी नगर पालिका	10	चंद्रशेखर	निर्दलीय
बाड़ी नगर पालिका	23	मुकेश कुमार सिंघल	भाजपा
बसेड़ी नगर पालिका	3	रामनिवास	निर्दलीय
सरमथुरा नगर पालिका	7	भरत लाल मीणा	कांग्रेस
डूंगरपुर नगर परिषद	23	मनन कलासुआ	भाजपा
डूंगरपुर नगर परिषद	28	चेतन कुमार खराड़ी	भाजपा
अनूपगढ़ नगर पालिका	28	सुमन चुघ	कांग्रेस
चाकसू नगर पालिका	11	त्रिवेणी श्याम	भाजपा
मनोहरपुर नगर पालिका	15	अर्जुन मोहनपुरिया	कांग्रेस
नारायणा नगर पालिका	8	हीना बानू	कांग्रेस
जैसलमेर नगर परिषद	23	लखमो	कांग्रेस
आहोर नगर पालिका	18	सुरेश कुमार	भाजपा
भीनमाल नगर पालिका	10	मुकेश कुमार	भाजपा
भीनमाल नगर पालिका	11	दीपक कुमार	भाजपा
झालावाड़ नगर परिषद	5	प्रदीप सिंह राजावत	भाजपा
झालावाड़ नगर परिषद	7	महेंद्र सिंह	कांग्रेस
बगड़ नगर पालिका	5	बंशीलाल सोनी	निर्दलीय
बिसाऊ नगर पालिका	12	प्रियंका	भाजपा
बिसाऊ नगर पालिका	13	ललिता	भाजपा
मंडरेला नगर पालिका	20	प्रवीण	कांग्रेस
बिलाड़ा नगर पालिका	1	इंद्रा देवी	भाजपा
बिलाड़ा नगर पालिका	6	दरियाव	भाजपा
बिलाड़ा नगर पालिका	10	चंद्र प्रकाश	भाजपा
बिलाड़ा नगर पालिका	36	गुड्डी	भाजपा
टोडाभीम नगर पालिका	30	सोनल कुमारी जादौन	निर्दलीय
किशनगढ़बास नपा	16	ऋतु	भाजपा
किशनगढ़बास नपा	22	विश	भाजपा
टपूकड़ा नगर पालिका	8	रेखा	निर्दलीय
टपूकड़ा नगर पालिका	14	सुमन	निर्दलीय
रामगंजमंडी नपा	27	पवन कुमार बाबेल	कांग्रेस
बानसूर नगर पालिका	15	मूलचंद वर्मा	निर्दलीय
बासनी नगर पालिका	38	मोना बानो	कांग्रेस
मूंडवा नगर पालिका	11	आशा	भाजपा
सुमेरपुर नगर पालिका	26	वीणा देवड़ा	भाजपा
तखतगढ़ नगर पालिका	22	शिल्पा कुमावत	निर्दलीय
भीम नगर पालिका	6	सुरेंद्र सिंह	भाजपा
भीम नगर पालिका	8	प्रभु दयाल	कांग्रेस
वजीरपुर नगर पालिका	14	पूरनमल	कांग्रेस
लक्ष्मणगढ़ नगर पालिका	15	मोहम्मद हारून कुरैशी	कांग्रेस
रामगढ़ शेखावाटी नपा	12	सोफिया	कांग्रेस
रामगढ़ शेखावाटी नपा	14	सरला देवी	भाजपा
रामगढ़ शेखावाटी नपा	18	मनोज कुमार	भाजपा
सीकर नगर परिषद	65	माया	कांग्रेस
सिरोही नगर परिषद	10	पूजा माली	भाजपा
टोडारायसिंह नपा	23	संत कुमार	(निर्विरोध)

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा-सिंह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सड़क सुरक्षा के प्रति युवाओं में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें जिम्मेदार सड़क उपयोगकर्ता बनाने के उद्देश्य से प्रादेशिक परिवहन कार्यालय (आरटीओ) जयपुर में पदस्थापित इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने खेतान पॉलिटेक्निक कॉलेज, जयपुर के परिसर में मुस्कान फाऊंडेशन फॉर रोड सेफ्टी के साथ खेतान पॉलीटेक्निक कॉलेज जयपुर एल्यूमनाई एसोसिएशन के द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में जीवन रक्षा पर व्याख्यान दिया। इस प्रोग्राम में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में खेतान पॉलिटेक्निक कॉलेज के साथ-साथ राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज जयपुर एवं राजकिय पॉलिटेक्निक कॉलेज फागी के विद्यार्थी भी शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान सीनियर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह जो की खेतान पॉलीटेक्निक के पूर्व छात्र है, ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने देश एवं राजस्थान में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति से संबंधित आंकड़े साझा करते हुए युवाओं से सड़क सुरक्षा को अपनी दैनिक आदतों का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने सड़क पर अनुशासन, हेलमेट के सही उपयोग, कार चलते समय सीट बेल्ट का उपयोग, वाहन चलाए समय मोबाइल का उपयोग न करने एवं विशेष रूप के ओवर स्पीडिंग की रोकथाम की आवश्यकता पर जोर देते हुए बताया कि सड़क पर अपनी सुरक्षा के साथ साथ दूसरे सड़क उपयोगकर्ता की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी प्रत्येक व्यक्ति की है कार्यक्रम के आयोजन में खेतान पॉलिटेक्निक कॉलेज एल्युमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष जी. पी. शर्मा, जनरल सेकेट्री दिनेश सैनी, एसोसिएशन के सदस्य रघुनाथ सिंह व तारा सिंह का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम को विनोद जांगीड़, प्रधानाचार्य खेतान पॉलिटेक्निक कॉलेज जयपुर एवं चेयरपर्सन, खेतान पॉलिटेक्निक कॉलेज एल्यूमनाई एसोसिएशन के मार्गदर्शन एवं रामकरण यादव जी के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

वोटर ID नहीं है तो 11 दस्तावेज होंगे मान्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण के लिए बुधवार (9 सितंबर) को मतदान होगा. पहले चरण में 162 नगरीय निकायों में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक वोट डाले जाएंगे. मतदान को लेकर निर्वाचन विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं. पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों पर पहुंच रही हैं. मतदान के लिए मतदाता सूची में नाम होना जरूरी है. इसके साथ पहचान के लिए फोटोयुक्त दस्तावेज दिखाना होगा. अगर किसी मतदाता के पास वोटर आईडी कार्ड नहीं है, तो भी वह मतदान कर सकता है. इसके लिए चुनाव आयोग ने 11 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेज मान्य किए हैं।

जयपुर में 565 मतदान केंद्र पर वोटिंग

पहले चरण में 17 नगर पालिकाओं के 25 वार्ड, 4 नगर परिषदों के 6 वार्ड और एक नगर निगम का एक वार्ड निर्विरोध चुना जा चुका है. इन वार्डों को छोड़कर बाकी सीटों पर मतदान होगा. जयपुर जिले में 18 नगरीय निकायों के लिए 565 मतदान केंद्रों पर वोटिंग होगी. पहले चरण में मतदान वाले प्रमुख नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में चौमूं, शाहपुरा, बाड़मेर, जैसलमेर, तिजारा, खैरथल, भिवाड़ी, करौली, कुचामन सिटी, डीडवाना, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, झालावाड़, बूंदी, बारां, जालोर, झुंझुनूं, फतेहपुर, सवाई माधोपुर, धौलपुर, सुजानगढ़, चूरू, कोटपूतली, ब्यावर और नागौर शामिल हैं.

वोटर आई के अलावा 11 वैकल्पिक दस्तावेज

- आधार कार्ड
- विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी मनरेगा कार्ड
- बैंक या डाकघर की फोटोयुक्त पासबुक
- श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड या आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड
- ड्राइविंग लाइसेंस
- पैन कार्ड
- भारतीय पासपोर्ट
- फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज
- केंद्र या राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रम या सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी की ओर से जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र
- सांसद या विधानसभा सदस्य को जारी सरकारी पहचान पत्र
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी यूडीआईडी कार्ड में से कोई एक दस्तावेज

मतदान केंद्र पर जाने से पहले मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जरूर जांच लें. साथ ही मतदान केंद्र की जानकारी पहले से कर लें. मतदान के बाद 11 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा. निकाय चुनाव की मतगणना 14 सितंबर को होगी।

सीबीएसई ने 8वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए 19 निशुल्क डिजिटल कोर्स किए शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। सीबीएसई ने 8वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए 19 निशुल्क डिजिटल कोर्स शुरू किए हैं. ऑनलाइन कोर्स में एआई, प्रोग्रामिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सिक्योरिटी की जानकारी मिलेगी. छात्र एसडब्ल्यूएवाईएएम डिजिटल यूनिवर्सिटी प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन कोर्स कर सकेंगे। कोर्स की अवधि डेढ़ घंटे से 20 घंटे तक होगी, छात्रों को ऑनलाइन सीखने का लाभ मिलेगा. इन कोर्स के जरिए छात्रों में डिजिटल कौशल और नई तकनीकों की समझ विकसित होगी. कोर्स में एक्सपर्ट ट्रेनिंग, ऑडियो-विजुअल सामग्री और एआई से जुड़े विषय शामिल हैं। छात्र अपनी सुविधा और समय के अनुसार ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को चुन सकेंगे. आवेदन के लिए एसडब्ल्यूएवाईएएम डिजिटल यूनिवर्सिटी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा. पाठ्यक्रमों में जनरेटिव एआई, प्रोग्रामिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे विषय शामिल होंगे। इसके अलावा 3डी प्रिंटिंग, सेमी कंडक्टर डिजाइन और आधुनिक विषयों की भी जानकारी मिलेगी।

ओवैसी के 'खामियाजा भुगतने' वाले बयान पर भड़के बालमुकुंद आचार्य, बोले...

प्रदेश में माहौल खराब करने की कोशिश सफल नहीं होगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। निकाय चुनाव के बीच, ढ्ढस्ढ्ढरू प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के जयपुर दौरे और सहारनपुर मस्जिद विवाद को लेकर दिए गए बयान पर हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने तीखा हमला बोला है. ओवैसी के 'खामियाजा भुगतना पड़ेगा' वाले बयान पर सोमवार को भाजपा मुख्यालय पर मीडिया से बात करते हुए विधायक बालमुकुंद आचार्य ने आरोप लगाया कि ये वो लोग हैं, जो देश में रहकर देश विरोधी ताकतों का समर्थन करते हैं. ये इसी तरह की राजनीति करते हैं. ऐसे बयान चुनावी माहौल को प्रभावित करने और सामाजिक तनाव पैदा करने की कोशिश हैं. यहाँ दंगे भड़काने की कोशिश में वे लोग सफल नहीं होंगे. राजस्थान की जनता समझदार है और यहां इस तरह की राजनीति से न तो कोई लाभ मिलने वाला है और न ही कोई इसका असर होगा.

ओवैसी पर माहौल बिगाड़ने की कोशिश का आरोप

बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि ओवैसी जयपुर क्यों आए, इसकी उन्हें जानकारी नहीं थी, लेकिन उनका आरोप है कि ऐसे नेताओं का मकसद एक खास वर्ग को राजनीतिक तौर पर प्रभावित करना होता है. उन्होंने कहा कि चुनाव के समय इस तरह के मुद्दे उठाकर माहौल में 'बारूद' फैलाने की कोशिश की जाती है. आचार्य ने कहा कि राजस्थान में लोग विकास और सामाजिक सौहार्द के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं. सहारनपुर मस्जिद मामले को लेकर आचार्य ने कहा कि किसी धार्मिक स्थल से जुड़े विवाद का फैसला राजनीतिक बयानबाजी से नहीं हो सकता. इसके लिए संबंधित विभाग, दस्तावेज, साक्ष्य और न्यायालय की प्रक्रि या होती है. उन्होंने अयोध्या विवाद का उदाहरण देते हुए कहा कि राम मंदिर का मामला भी न्यायिक प्रक्रि या से आगे बढ़ा और अदालत के फैसले के बाद ही मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ।

ट्रिपल इंजन से विकास का दावा

आचार्य ने कहा कि केंद्र, राज्य और नगर निगम में भाजपा की सरकार होने पर स्थानीय विकास को गति मिलेगी. उन्होंने वार्ड स्तर पर समस्याओं के समाधान के लिए हर 15 दिन में कार्यकर्ताओं की बैठक, हर महीने विधायक और अधिकारियों के साथ बैठक और पार्षद कार्यालय में प्रतिदिन लोगों की समस्याएं सुनने की व्यवस्था का दावा किया. उन्होंने कहा कि शिकायतों के लिए हेल्पलाइन नंबर और मोबाइल ऐप की व्यवस्था भी की जाएगी. निकाय चुनाव के बीच बालमुकुंद आचार्य का ओवैसी पर यह हमला भाजपा के उस चुनावी नैरेटिव को मजबूत करता है, जिसमें पार्टी विकास, ट्रिपल इंजन सरकार और राष्ट्रवाद को मुख्य मुद्दा बना रही है.

एक समाज को लामबंद करने की साजिश

आचार्य ने ओवैसी पर आरोप लगाया कि वे धार्मिक मुद्दों के जरिए एक समाज को लामबंद करने की राजनीति करते हैं. उन्होंने कहा कि राजस्थान में ऐसे प्रयासों को जनता स्वीकार नहीं करेगी. आचार्य के मुताबिक प्रदेश में सरकार विकास के एजेंडे पर काम कर रही है और किसी भी वर्ग के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि हवामहल विधानसभा क्षेत्र के 15 वार्डों में से भाजपा 11 वार्डों में जीत हासिल करेगी. आचार्य ने कहा कि पार्टी के सामने असली चेहरा 'कमल' है और कार्यकर्ताओं के साथ-साथ जनता में भी भाजपा को लेकर भारी उत्साह है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा कर लौटने पर किया स्वागत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुरलीपुरा से 15 दिवसीय कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए श्रद्धालुओं के दल का जयपुर लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि मेहरदास ट्रस्ट मंदिर से कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए जयपुर से 23 श्रद्धालुओं का ग्रुप बस से दिल्ली काठमांडू हवाई यात्रा के बाद बस एवं लंबी पैदल यात्रा जो रोमांस एवं तूफान वर्ष के बीच कैलाश पहुंचने के बाद कैलाश परिक्रमा भी मनमोहन प्रकृति के बीच पूरी टीम ने पूर्ण की। बीते दिनों 4 सितंबर को जयपुर जन्म भूमि पर सबके बीच पहुंचने पर स्वागत किया। दल के सदस्यों ने सभी को अपने अनुभव साझा किये। सभी स्वजनों चरण स्पर्श कर आशीर्वाद शुभकामनाओ स्वरुप भेंट प्राप्त की।

जागरूक खबरें

अजमेर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग 20 सितम्बर को होने वाली उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 की पुनः परीक्षा की तैयारियों में जुटा है। परीक्षा के प्रवेश पत्र परीक्षा से तीन दिन पहले अपलोड किए जाएंगे। परीक्षा केंद्रों के आसपास और परीक्षा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। पेपर लीक की पिछली घटना से सबक लेते हुए आयोग ने परीक्षा व्यवस्था में कई बदलाव किए हैं। आयोग जुलाई में ही अभ्यर्थियों से एक बार पंजीकरण की केवाईसी प्रक्रिया के तहत लाइव फोटो, अंगूठे का निशान और हस्ताक्षर अपलोड करा चुका है। अब प्रवेश पत्र पर विशेष क्यूआर कोड होंगे। उधर, आयोग ने विभिन्न भर्तियों के तहत 15 से 25 सितम्बर तक का विस्तृत साक्षात्कार कार्यक्रम घोषित कर दिया है। आयोग सचिव ने बताया कि लाइब्रेरियन (कॉलेज शिक्षा विभाग) भर्ती -2023 के तहत साक्षात्कार का आठवां चरण 15 से 25 सितम्बर तक होगा।

राइजिंग राजस्थान से प्रदेश में बना निवेश अनुकूल वातावरण: मुख्य सचिव ने एमओयू के क्रियान्वयन में तेजी लाने और लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

8 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए ग्राउंड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री की मंशानुरूप आगामी 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस तक अधिकाधिक एमओयू ग्राउंड ब्रेकिंग के लक्ष्य की दिशा में प्रभावी एवं समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव शासन सचिवालय में आयोजित राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हुए एमओयू की प्रगति एवं उनके क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी लेते हुए इनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निवेश परियोजनाओं से संबंधित आवश्यक प्रस्ताव एवं फाइलें शीघ्र प्रस्तुत की जाएं। साथ ही, संबंधित जिला कलक्टरों के साथ सतत समन्वय स्थापित

कर परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से ऊर्जा एवं राजस्व विभाग से अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव ने भूमि संबंधी प्रकरणों के त्वरित निस्तारण को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि की पहचान एवं आवंटन से जुड़े मामलों का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब न हो और परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग श्री शिखर अग्रवाल ने विभागवार प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव विभिन्न चरणों में हैं। इनमें 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि आगामी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जिन प्रकरणों में स्वीकृति दी जानी है, उनमें अनावश्यक विलंब न हो और उन्हें शीघ्र अनुमोदित किया जाए। वहीं, जिन प्रकरणों में स्वीकृति संभव नहीं है, उनमें भी तत्काल निर्णय लेकर उन्हें लंबित न रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करते हुए अनावश्यक रूप से कोई प्रकरण लंबित नहीं रखा जाए। बैठक में विभागवार निर्धारित लक्ष्यों एवं उनके विरुद्ध अर्जित प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निवेश प्रस्तावों से जुड़े प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाई जाए। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे एवं संबंधित जिला कलक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

चिकित्सा संस्थानों में ओटी को मॉड्यूलर के रूप में विकसित करें

प्रत्येक यूनिट का रोस्टर तैयार कर उसकी सख्ती से पालना कराएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश में तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने के लिए सभी संबंधित चिकित्सा संस्थानों में ऑपरेशन थियेटरों को चरणबद्ध रूप से मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध करवाने के लिए चिकित्सा संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग और आवश्यक सुविधाओं की क्रियाशीलता सुनिश्चित करना जरूरी है।

मुख्य सचिव स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, आरजीएचएस सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित अन्य चिकित्सा संस्थानों में स्थापित नवजात शिशु देखभाल इकाइयों की शत-प्रतिशत क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को इन इकाइयों की नियमित मॉनिटरिंग कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

श्रीनिवास ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए कहा की स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार मॉनिटरिंग करने से मातृ मृत्यु दर में सुधार हुआ है,उन्होंने कहा कि इस संबंध में जारी गाइडलाइन की प्रभावी पालना के साथ इसकी नियमित एवं गहन मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने प्रसव सुविधा वाले सभी चिकित्सा संस्थानों में ऑटोक्लेव मशीन की उपलब्धता के साथ उसकी नियमित क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल अधीक्षकों को उपलब्ध सेवाओं के अनुरूप बेड ऑक्यूपेंसी रेट की नियमित समीक्षा करने के लिए भी कहा। मुख्य सचिव ने परिवार कल्याण, स्तनपान एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर आमजन को जागरूक करने के लिए अस्पतालों में प्रभावी प्रचार-प्रसार सामग्री प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा संस्थानों में प्रसव भार के अनुरूप स्त्री रोग विशेषज्ञों एवं शिशु रोग विशेषज्ञों की उपलब्धता एवं अनुपात की भी समीक्षा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में स्थापित प्रत्येक यूनिट का स्पष्ट रोस्टर तैयार किया जाए और उसकी सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए, ताकि सेवाओं के संचालन में किसी तरह की कमी न रहे। मुख्य सचिव ने अस्पतालों में प्रसूताओं की सुविधा के लिए शुरू किए गए प्रसव सखी हेल्प डेस्क कार्यक्रम की सराहना की।

साक्षरता से सशक्त होता है समाज और विकसित होता है राष्ट्र-देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता नहीं, बल्कि व्यक्ति को ज्ञान, आत्मनिर्भरता, जागरूकता और सामाजिक सहभागिता से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

देवनानी ने कहा कि एक शिक्षित और जागरूक नागरिक ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र की आधारशिला होता है। साक्षरता व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करने के साथ ही उसे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग बनाती है तथा समाज की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सक्षम करती है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा ने सदैव शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया है। ज्ञान व्यक्ति के जीवन को दिशा देने के साथ-साथ समाज में विवेक, समानता, आत्मविश्वास और सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा और ज्ञान की पहुंच सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

डिजिटल साक्षरता, वित्तीय जागरूकता और सामाजिक चेतना भी आधुनिक सशक्तिकरण के महत्वपूर्ण आयाम हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि समाज का प्रत्येक वर्ग शिक्षा और ज्ञान की मुख्यधारा से जुड़ सके। देवनानी ने कहा कि साक्षरता से ही व्यक्ति आत्मनिर्भर बनता है और राष्ट्र की प्रगति में प्रभावी योगदान देने में सक्षम होता है। उन्होंने शिक्षकों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों से आह्वान किया कि वे समाज में शिक्षा के प्रसार और निरक्षरता के उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयास करें।

बीजेपी के बागी नेताओं के खिलाफ एक्शन, पूर्व महापौर, 10 पूर्व पार्षदों सहित 42 नेताओं को पार्टी से निकाला

जयपुर @ जागरूक जनता। नगर निकाय चुनाव में टिकट वितरण के बाद शुरू हुआ अंतर्कलह भाजपा में बड़े निष्कासन में तब्दील हो गया है. पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के सामने निर्दलीय ताल ठोकने और बगावत कर रहे नेताओं के पक्ष में प्रचार करने वाले 42 कार्यकर्ताओं को 6 वर्ष के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है. पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी श्रवण सिंह बगड़ी ने सोमवार प्रदेशाध्यक्ष के निर्देश पर यह निष्कासन आदेश जारी किए. इन सभी को अनुशासनहीनता का दोषी माना गया है. पार्टी की कार्रवाई में सबसे प्रमुख नाम अजमेर के पूर्व महापौर धर्मेंद्र गहलोत का है. वार्ड-4 से उनकी पत्नी हेमलता गहलोत पार्टी के खिलाफ निर्दलीय मैदान में हैं। **जयपुर से 26 नेताओं पर एक्शनः** जयपुर में सबसे ज्यादा 26 नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया गया है. इनमें अकेले विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से 13 नेता शामिल हैं. जयपुर के प्रमुख निष्कासित नेताओं में पूर्व पार्षद हरिशंकर बोहरा, दिनेश कांवट, राजू अग्रवाल, जय वशिष्ठ, शंकर शर्मा, रमेश चन्द्र सैनी, स्वाति परनामी, विक्रम सिंह तंवर, शिव सोनी, बरखा सैनी तथा एससी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश किराड़ शामिल हैं। **प्रतापगढ़ से 7 नेताओं को निकाला :** प्रतापगढ़ नगर परिषद के पूर्व सभापति रामकन्या, पूर्णिमा खराड़ी, पूर्व पार्षद मुकेश कुमार शर्मा, प्रहलाद गुर्जर, जितेश सोनी सहित 7 नेताओं पर कार्रवाई. सिरोही, अजमेर व बारां में सिरोही में पूर्व उपसभापति टीकमचंद सोनी की पत्नी लीला देवी, छबड़ा (बारां) में पूर्व पार्षद राकेश कुलश्रेष्ठ सहित अजमेर के प्रकाश बंसल, हेमलता बंसल और रेणु गर्ग को पार्टी से निकाला गया है।

सम्पादकीय

मुश्किलों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने दिखाया दम

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल से जून 2026) के राष्ट्रीय आय संबंधी आंकड़े सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बीते दिनों जारी किए। आंकड़ों के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत वृद्धि की राह पर बनी हुई है। तिमाही में स्थिर कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह वृद्धि 6.9 प्रतिशत थी। यह ईरान युद्ध शुरू होने के बाद की पहली पूरी तिमाही थी। यानी ईरान युद्ध का असर उतना गंभीर नहीं रहा जितनी आशंका शुरुआती दिनों में जताई गई थी। ध्यान रहे कि भारत अपनी कच्चे तेल और गैस की अधिकांश जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है और संकट के शुरुआती दिनों में आपूर्ति कुछ बाधित भी हुई थी।

पश्चिम एशिया संकट के कारण पैदा हुई इन बाधाओं को देखते हुए यह कहना उचित होगा कि इस अवधि के दौरान अर्थव्यवस्था का प्रबंधन अच्छी तरह किया गया। आर्थिक गतिविधियों को मापने के लिए अधिक उपयुक्त माने जाने वाले सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) में इस तिमाही के दौरान 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। समग्र वृद्धि को द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन का सहारा मिला। द्वितीयक क्षेत्र में विनिर्माण गतिविधि में इस तिमाही के दौरान 9.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में इसमें वृद्धि 8.3 प्रतिशत थी। निर्माण क्षेत्र में भी सुधार हुआ और इसकी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही जो गत वर्ष 5.2 प्रतिशत थी। तृतीयक क्षेत्र में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 8 प्रतिशत थी। हालांकि प्राथमिक क्षेत्र का प्रदर्शन इस तिमाही में कमजोर रहा। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 4.4 प्रतिशत थी।

इस वर्ष सामान्य से कम मॉनसून के कारण कृषि वृद्धि दबाव में रह सकती है। खनन और उत्खनन क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई। तिमाही के दौरान निजी अंतिम उपभोग व्यय में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह पिछले वर्ष की तुलना में सुधार है लेकिन कुल जीडीपी वृद्धि दर से कम है। हालांकि, निवेश का प्रदर्शन अच्छा रहा। इसमें 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह वृद्धि केवल 5.8 प्रतिशत थी। जीडीपी में पूंजी निर्माण की हिस्सेदारी भी वर्तमान कीमतों पर बढ़कर 34.3 प्रतिशत हो गई। अब यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा कि पूंजी निर्माण में यह वृद्धि कितनी व्यापक है और क्या आने वाली तिमाहियों में इसे कायम रखा जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण रूप से मदद करेगी। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि आर्थिक वृद्धि को 2025 में प्रत्यक्ष करों में दी गई राहत और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में की गई कटौती जैसे कदमों से सहारा मिला। मौद्रिक नीति भी वृद्धि के अनुकूल रही। यद्यपि आने वाली तिमाहियों में इनमें से कुछ उपायों का असर कम होने की संभावना है। महंगाई के अनुमान भी संकेत देते हैं कि आने वाले महीनों में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की जरूरत पड़ सकती है। वृद्धि के मजबूत आंकड़े नीतिगत दर बढ़ाने के पक्ष में तर्क को और मजबूत करेंगे। यह भी ध्यान देने योग्य है कि वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है तथा कच्चे तेल की कीमतें अब भी ऊंची बनी हुई हैं।

ईओएस-05 : हिन्दुस्तान की आकाश में भी नजर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> भारत की आकांक्षा केवल उपग्रह चित्र एकत्र करने से आगे बढ़कर एक ऐसी बुद्धिमान और सतत सूचना प्रणाली विकसित करने की होनी चाहिए जो कार्रवाई को निर्देशित कर सके। इस परिवर्तन में, ईओएस-05 एक सूचित, तैयार और तकनीकी रूप से सशक्त भारत का एक अमूल्य घटक साबित हो सकता है।

पृथ्वी अवलोकन उपग्रह अब शासन व्यवस्था, आपदा राहत, कृषि क्षेत्र, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा में आवश्यक उपकरण बन गए हैं। ये उपग्रह पृथ्वी की सतह, वायुमंडल और महासागरों के बारे में दूरस्थ संवेदन डेटा प्रदान करते हैं और सरकारों को उन परिवर्तनों पर नज़र रखने में मदद करते हैं जिन्हें जमीनी प्रणालियों द्वारा आसानी से पता नहीं लगाया जा सकता है। भारत में पृथ्वी अवलोकन मिशन वर्षों से अच्छी तरह स्थापित है और GSLV-F17 पर EOS-05 का प्रक्षेपण इसकी क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी भू-तुल्यकालिक कक्षा से इमेजिंग करने की क्षमता भारतीय क्षेत्र का बार-बार अवलोकन करने में सक्षम बनाती है। EOS-05 का प्रक्षेपण उपग्रह रिमोट सेंसिंग की प्रकृति में बदलाव का एक हिस्सा है। पृथ्वी अवलोकन परंपरागत रूप से निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में संचालित उपग्रहों का एक प्रमुख अनुप्रयोग रहा है। ये उपग्रह अत्यंत विस्तृत चित्र प्रदान करेंगे, लेकिन इनकी कक्षा के कारण ये केवल नियमित समय अंतराल पर एक विशिष्ट क्षेत्र के ऊपर से गुजरेंगे। यह आवधिक आधार पर कवरेज के लिए बहुत उपयोगी है, लेकिन तेजी से बदलती परिस्थितियों में यह और भी उपयोगी हो सकता है। इन प्रणालियों को एक भू-तुल्यकालिक इमेजिंग उपग्रह द्वारा पूरक किया जा सकता है जो एक बड़े क्षेत्र का लंबे समय तक अवलोकन कर सकता है।

यह विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण हो जाता है जब घटनाएँ दिनों के बजाय घंटों की अवधि में घटित होती हैं। चक्रवात अचानक तीव्र हो सकते हैं या दिशा बदल सकते हैं, बाढ़ व्यापक क्षेत्र में फैल सकती है, जंगल की आग बुझ सकती है या बेकाबू हो सकती है और समुद्री गतिविधियाँ निरंतर परिवर्तनशील अवस्था में हो सकती हैं। उपग्रहों से लगातार अवलोकन द्वारा ऐसी घटनाओं के बारे में अधिक गतिशील जानकारी अधिकारियों को प्रदान की जा सकती है। इसलिए, पृथ्वी अवलोकन प्रणाली की संरचना में EOS-05 को LEO उपग्रहों के पूरक तत्व के रूप में देखा जाना चाहिए। LEO उपग्रहों का उपयोग विस्तृत चित्र प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है और भू-तुल्यकालिक उपग्रह अधिक स्थिरता

और निरंतरता प्रदान कर सकते हैं।

भारत जैसे विविधतापूर्ण और आपदा-ग्रस्त देश के लिए यह क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है। चक्रवात, बाढ़, भूस्खलन और वन अग्नि जैसी प्राकृतिक आपदाएँ देश को लगातार प्रभावित करती हैं। प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए प्रारंभिक चेतावनी, त्वरित आकलन और निरंतर निगरानी आवश्यक हैं। बार-बार उपग्रह द्वारा किए गए अवलोकन से अधिकारियों को आपदा की स्थिति के विकास का आकलन करने और प्रभावित क्षेत्रों का शीघ्र पता लगाने में सहायता मिल सकती है। उपग्रह चित्र बाढ़ के दौरान जलमग्न क्षेत्रों का मानचित्रण करने में भी सहायक हो सकते हैं। वन अग्नि की स्थिति में, नियमित निगरानी जले हुए क्षेत्रों में होने वाले परिवर्तनों की निगरानी में उपयोगी हो सकती है। यह निगरानी चक्रवातों के दौरान बदलते मौसम को समझने में भी सहायक हो सकती है।

लेकिन तस्वीरों का महत्व तभी तक है जब तक उन्हें उपयोगी उत्पाद में परिवर्तित करने में समय और कुशलता बरती जाए। दरअसल, भारत के लिए असली चुनौती उपग्रह प्रेक्षणों को आपदा प्रबंधन प्लेटफार्मों का अभिन्न अंग बनाना है ताकि प्रशासकों, आपदा प्रबंधन एजेंसियों और स्थानीय अधिकारियों को वास्तविक समय में और आसानी से उपयोग किए जा सकने वाले प्रारूप में जानकारी मिल सके। इसका उद्देश्य डेटा संग्रहण और निर्णय लेने के बीच की दूरी को कम करना है। ईओएस-05 और भारत की समग्र अंतरिक्ष पृथ्वी अवलोकन क्षमता से लाभान्वित होने वाला एक अन्य क्षेत्र कृषि है। भारत में जमीनी स्तर पर कृषि परिदृश्य की नियमित निगरानी चुनौतीपूर्ण और संसाधन-प्रधान है। उपग्रह अवलोकन वनस्पति, फसल की स्थिति और भूमि उपयोग में परिवर्तन जैसे कृषि संकेतकों के मूल्यांकन में सहायक हो सकते हैं।

उपग्रह चित्रों का उपयोग मौसम डेटा, मृदा डेटा और जमीनी अवलोकनों के साथ मिलकर फसलों में तनाव के विकास और बदलते पर्यावरणीय परिस्थितियों का पता लगाने में किया जा सकता है।

जैसे-जैसे एआई का उपयोग बढ़ेगा, यह प्रक्रिया और भी अधिक प्रभावी हो सकती है। आधुनिक उपग्रहों द्वारा भेजे गए डेटा की मात्रा बहुत अधिक होने के कारण, केवल मैन्युअल व्याख्या करना बहुत कठिन होता जा रहा है। एआई-आधारित प्रणालियाँ छवियों को तेज़ी से संसाधित कर सकती हैं, विसंगतियों का पता लगा सकती हैं और तत्काल ध्यान देने योग्य क्षेत्रों को चिह्नित कर सकती हैं। ये प्रौद्योगिकियाँ फसल मूल्यांकन, आपदा मानचित्रण और पर्यावरण निगरानी में तेजी लाने में मदद कर सकती हैं और मैन्युअल विश्लेषण में लगने वाले समय को कम कर सकती हैं। निरंतर अवलोकन के लाभ पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। भारत तीव्र शहरीकरण, भूमि उपयोग में परिवर्तन, वनों और पारिस्थितिक तंत्रों पर बढ़ते दबाव और जल संसाधनों पर बढ़ते तनाव की प्रक्रिया से गुजर रहा है। उपग्रह निगरानी का उपयोग दीर्घकालिक वनस्पति परिवर्तन, आर्द्रभूमि, जल निकायों और अन्य पारिस्थितिक तंत्रों की नियमित निगरानी के लिए किया जा सकता है। स्थायी डेटासेट नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं को रुझानों का पता लगाने और पर्यावरण के बारे में अधिक प्रभावी निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं।

भारत के समुद्री हितों के लिए उपग्रह आधारित अवलोकन का भी अत्यधिक रणनीतिक महत्व है। देश की तटरेखा लंबी है और यह हिंद महासागर क्षेत्र के मध्य में स्थित है, जिसका अर्थ है कि समुद्री पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। उपग्रह निगरानी का उपयोग अन्य निगरानी विधियों के साथ किया जा सकता है और इससे समुद्री क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों और बदलती परिस्थितियों के बारे में जानकारी बढ़ाई जा सकती है। रणनीतिक दृष्टि से भी ईओ का महत्व बढ़ रहा है। आधुनिक सुरक्षा के माहौल में, समय पर और विश्वसनीय जानकारी अब एक रणनीतिक संपत्ति बन गई है। निरंतर इमेजिंग से स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ सकती है और इसका उपयोग हवाई, जमीनी और अन्य अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणालियों के साथ किया जा सकता है। साथ ही, देश को ऐसी स्थिति से निपटने की क्षमता की आवश्यकता है।

सत्य निकेतन हादसा या लापरवाही

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नविता
विचारक
@jagrukjanta.net

दक्षिण दिल्ली का सत्य निकेतन इलाका (दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के पास),नाम ही ऐसा है जहाँ सच और सपनों की तलाश में हजारों छात्र आकर बसते हैं।तंग गलियों में बने छोटे-छोटे हॉस्टल, एक कमरे में दो-तीन लड़के, दीवारों पर UPSC, NEET, CUET के नोट्स। सबकी आँखों में एक ही सपना - कुछ बनना है। सत्य निकेतन में एक ऐसी इमारत भरभरा कर गिर गई, जिसमें यही सपने रहते थे।खबर आते ही सब सन्न रह गए।चीख-पुकार, धूल का गुबार और मलबे के नीचे दबी हुई किताबें।

जो बच्चे घर से ये कहकर निकले थे कि "माँ, इस बार सिलेक्शन लेकर आऊँगा",वो अब कभी घर नहीं लौटेंगे।ये सिर्फ ईंट और सीमेंट के गिरने की आवाज नहीं थी,ये कई घरों के टूटने की आवाज थी।

बताया जा रहा है कि बिल्डिंग बहुत पुरानी थी।ऊपर मरम्मत का काम चल रहा था।नीचे बच्चे पढ़ रहे थे।सवाल सीधा है - क्या किसी ने कभी इस बिल्डिंग को चेक करने की जहमत उठाई? एमसीडी क्या करती रही? हॉस्टल मालिक को क्या सिर्फ किराया दिखा,बच्चों की जान नहीं?

दिल्ली और अन्य महानगरों में हजारों ऐसे हॉस्टल और पीजी चल रहे हैं।न कोई नक्शा पास,न कोई मजबूती की जाँच। बस एक कमरा,चार बेड और मोटा किराया।मजबूरी में छात्र वहाँ रहने को तैयार हो जाते हैं।अब दो-तीन दिन शोर मचेगा।जाँच कमेटी बैठेगी। मुआवजे का ऐलान होगा।फिर सब भूल जाएंगे, अगले हादसे तक।

जरूरत मुआवजे की नहीं, जवाबदेही की है।हर निजी हॉस्टल का स्ट्रक्चर ऑडिट होना चाहिए,बोर्ड पर मालिक का लाइसेंस टंगा होना चाहिए।नहीं तो ये हादसा आखिरी नहीं होगा। विकास ऊँची इमारतों से नहीं,उनमें सुरक्षित साँस ले रहे लोगों से तय होता है।

शिक्षा पर खर्च बढ़े, राज्यों को मिले अधिक अधिकार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

अहाल ही में हुए जंतर मंतर आंदोलन ने दिखाया कि सरकार ने 30 वर्ष से कम आयु के लोगों की चिंताओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है जबकि वे देश की आबादी का करीब आधा हिस्सा हैं। इस आंदोलन का नेतृत्व जेनज़ी युवाओं द्वारा किया गया जिनमें से कई उच्च शिक्षा में थे।

साथ ही इनमें वे भी शामिल थे जो नौकरियों की तलाश में थे। इनकी संख्या करीब 36.7 करोड़ है और वे हमारी दीर्घकालिक वृद्धि के लिए प्रासंगिक पीढ़ियों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मुद्दे की बात यह है कि सरकार उच्च शिक्षा और युवाओं के रोजगार अवसरों के लिए कितना समर्थन प्रदान करती है। शिक्षा तक उनकी पहुंच के मामले में केवल स्कूल शिक्षा ही नहीं बल्कि विश्वविद्यालयों और समान संस्थानों में उच्चतर शिक्षा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 1983 से 2023 के बीच 40 वर्षों में, 20 से 29 आयु वर्ग के लोगों में स्नातक-स्तर की शिक्षा प्राप्त करने वालों का प्रतिशत 4 फीसदी से बढ़कर 28 फीसदी हो गया।

इसका अर्थ है कि पूर्ण संख्याओं में यह वृद्धि 50 लाख से बढ़कर 6.3 करोड़ तक पहुंच गई। हमने उच्चतर शिक्षा और स्नातक रोजगार में जाति और लैंगिक असमानताओं में भी उल्लेखनीय कमी देखी है। एक मूल्यवान बदलाव यह है कि अनुसूचित जनजाति के शिक्षित लोग अब चमड़े और कचरा संग्रहण जैसे पारंपरिक व्यवसायों से दूर जा सकते हैं।

स्नातकों की पर्याप्त उपलब्धता का हमारी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों में आई उछाल में बड़ा योगदान रहा है जिनका निर्यात फिलहाल लगभग 250 अरब डॉलर है। साथ ही वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जिनकी संख्या अब लगभग 2,100 है और वे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहे हैं। यह भी स्वीकार किया जा सकता है कि विदेश से हमें मिलने वाले लगभग 140 अरब डॉलर के धनप्रेषण का बड़ा हिस्सा उच्चतर और उच्च शिक्षा वाले भारतीयों की संख्या में वृद्धि के कारण है। हालांकि 15 से 29 वर्ष के युवाओं में बेरोजगारी उच्च स्तर पर बनी हुई है। 15 से 25 वर्ष के बीच यह लगभग 40 फीसदी और 25 से 29 वर्ष के बीच लगभग 20 फीसदी है।

स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल कुछ ही युवा स्थिर वेतनभोगी नौकरियां प्राप्त कर पाते हैं। सबसे बड़ी चुनौती शिक्षा की गुणवत्ता है। यानी पर्याप्त योग्यता वाले ऐसे स्नातकों की कमी जो कंपनियों द्वारा भर्ती के बाद भारी प्रशिक्षण के बिना काम कर सकें और कम काबिलियत वाले स्नातकों की अधिकता। यहीं पर शिक्षा पर सरकारी खर्च का महत्व सामने आता है। साल 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 6 फीसदी शिक्षा पर खर्च करने के लक्ष्य का समर्थन किया था। यह लक्ष्य सबसे पहले कोठारी आयोग ने 60 के दशक के मध्य में प्रस्तावित किया था और तब से नीति का हिस्सा रहा है। हालांकि व्यवहार में शिक्षा पर सरकारी खर्च का हिस्सा लंबे समय से जीडीपी के लगभग 4 फीसदी पर स्थिर बना हुआ है। राज्य सरकारें इस बजट का 80-85 फीसदी खर्च करती हैं क्योंकि वही सरकारी स्कूल और कॉलेज स्थापित और वित्तपोषित करती हैं। लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए केंद्र सरकार विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। बजट दस्तावेजों में उपलब्ध आंकड़ों का उपयोग करने पर यह स्पष्ट होता है कि केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा पर खर्च का हिस्सा उल्लेखनीय रूप से घटा है (यह 2016-17 में उसके कुल खर्च के 3.7 फीसदी से घटकर 2024-25 में 2.4 फीसदी रह गया। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में देखें तो यह 2016-17 में 0.47 फीसदी था, जो 2024-25 में घटकर 0.33 फीसदी रह गया, जबकि केंद्र सरकार का शिक्षा खर्च जीडीपी का 1 फीसदी होना चाहिए।

शिक्षा की सामग्री सुधारने के लिए खर्च बढ़ाने में असफलता इस तथ्य में परिलक्षित होती है कि शहरी क्षेत्रों में नौवीं और बारहवीं कक्षा के लगभग आधे छात्र निजी ट्यूशन पर सालाना लगभग 10,000 रुपये खर्च करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग एक-तिहाई छात्र निजी ट्यूशन पर निर्भर हैं और सालाना लगभग 4,500 रुपये खर्च करते हैं। सरकारी खर्च की इस कमी का एक और संकेतक है सरकारी स्कूलों में नामांकन में गिरावट और निजी स्कूलों में नामांकन में वृद्धि। युवा हमारे जनांकिकीय लाभांश का प्रमुख हिस्सा हैं। उनकी चिंताओं की अनदेखी इस लाभांश को आपदा में बदल सकती है। सरकारों को शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और जीडीपी का 6 फीसदी शिक्षा पर खर्च करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिक मजबूत प्रयास करने की आवश्यकता है जो पिछले 60 वर्षों से हमारी नीति का हिस्सा रहा है। युवाओं को शिक्षा और रोजगार उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की प्राथमिकता प्रतीत नहीं होती। इसकी नीति मुख्य रूप से कारोबारी समूहों और उद्यमियों तक पहुंचने पर केंद्रित रही है ताकि विनिर्माण वृद्धि को बढ़ावा दिया जा सके जबकि खर्च का ध्यान मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे के विकास पर रहा है। यही कारण है कि परिवहन पर सरकारी खर्च का हिस्सा उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। यह 2016-17 के 5.2 फीसदी से बढ़कर 2024-25 में 12 फीसदी तक जा पहुंचा। बुनियादी ढांचे का यह विकास अभी तक विनिर्माण वृद्धि को बढ़ावा नहीं दे पाया है और इसका कुछ हिस्सा व्यर्थ रहा है। मसलन जो हवाई अड्डे बनाए गए उनका हवाई सेवाओं द्वारा बहुत कम उपयोग होता है और वे नए राजमार्ग जो अक्सर वर्तमान विकास की आवश्यकता को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं।विनिर्माण को बढ़ावा देना निश्चित रूप से वांछनीय है और शायद और भी आवश्यक है क्योंकि इंटरनेट-क्षेत्र सेवाओं की वृद्धि अब धीमी हो रही है और इस वर्ष तो घट भी रही है जिसका कारण एआई द्वारा उत्पन्न सूचना प्रौद्योगिकी में बड़े बदलाव हैं।

विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक महत्त्वपूर्ण कदम स्नातकों के ज्ञान और कौशल की गुणवत्ता में सुधार करना है। यही कारण है कि प्राथमिक से लेकर उच्चस्तर स्तर तक शिक्षा पर अधिक खर्च करना उद्योग की वृद्धि को तेज करने के लिए उतना ही आवश्यक है जितना कि बुनियादी ढांचे में भारी निवेश करना जो वर्तमान में सरकार की रणनीति का केंद्र है।

ओपिनियन

मानसिक अवसाद की ओर धकेलता स्क्रीन एडिक्शन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> - आज की डिजिटल दुनिया में अत्यधिक स्क्रीन टाइम मानसिक अवसाद यानी डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। दिखावे की संस्कृति और अनियंत्रित मानसिक अवसाद हंसते-खेलते परिवारों को तबाह कर रहे हैं। हमें यह समझना होगा कि चीजें और तकनीक दोबारा खरीदी जा सकती हैं, लेकिन खोई हुई जिंदगी और परिवार कभी वापस नहीं आते।

अजयपुर। स
डॉ. मोनिका शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार
हाल ही में महाराष्ट्र के संभाजीनगर में आईफोन की जिद के विवाद में एक 19 वर्षीय युवक और उसे बचाने के प्रयास में उसके माता-पिता की पहाड़ी से गिरकर हुई दर्दनाक मौत की घटना केवल एक फोन की जिद नहीं, बल्कि इसके पीछे युवाओं में लग्जरी लाइफस्टाइल, घटते सब्र, गंभीर स्क्रीन एडिक्शन और छिपे हुए मानसिक अवसाद की गहरी समस्या की तस्वीर का संकेत एवं चेतावनी हैं। सोशल मीडिया और फोन युवाओं के लिए एस्केप मोड (भागने का जरिया) और डोपामाइन (फील गुड हार्मोन) का प्राथमिक स्रोत बन चुके हैं। जब यह कनेक्शन टूटता है, तो वे चिड़चिड़े या हिंसक हो जाते हैं। महंगे गैजेट्स को स्टेटस सिंबल मानकर युवा अपनी आर्थिक स्थिति से परे जाकर जिद करने लगते हैं। सामाजिक तौर पर ये समस्या घरों में आपसी संवाद की कमी से भी बढ़ रही है, जहां एक ही घर में रहकर भी लोग स्क्रीन में खोए रहते हैं, जिससे आपस में भावनात्मक जुड़ाव और बातचीत खत्म हो रही है।

महाराष्ट्र के संभाजीनगर के गांव में हुए ताजा घटनाक्रम के अनुसार, 19 साल के कुणाल ने आईफोन खरीदकर और उसकी किश्त चुकाने को लेकर अपने पिता से जिद की थी, जिसे लेकर घर में अनबन और विवाद हुआ। गुस्से और नाराजगी में कुणाल घर से निकलकर पहाड़ की चोटी पर जा बैठा और करीब 4 घंटे तक हंगामा व आत्महत्या की धमकी देता रहा। सूचना पर माता-पिता, पुलिस, स्थानीय लोग और दमकल विभाग मौके पर पहुंचे तथा उसे समझाने की कोशिश की। मां ने बेटे को मनाने के लिए अपना मंगलसूत्र तक देने की बात भी कही। बातचीत के दौरान जब पिता उसे बचाने के लिए आगे बढ़े, तो उनका संतुलन बिगड़ गया और कुणाल के साथ पिता भी नीचे गिर पड़े। अपनी आंखों के सामने पति और बेटे को नीचे गिरते देख सदमे में आई मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी, जिससे एक ही परिवार के तीनों सदस्यों की मौत हो गई।

मनोचिकित्सकों का मानना है कि किशोरों में अवसाद अक्सर उदासी के रूप में नहीं, बल्कि अत्यधिक गुस्से और चिड़चिड़ेपन के रूप में बाहर आता है, जिसे माता-पिता बदतमीजी या नखरा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक, हमारे हाथ स्मार्टफोन से चिपके रहते हैं। रील्स और शॉर्ट्स को बिना सोचे-समझे स्क्रॉल करने की यह आदत धीरे-धीरे इंसानों को एक गहरे साइलेंट डिप्रेशन की ओर धकेल रही है। शोध कहते हैं कि प्रतिदिन तीन से चार घंटे से अधिक स्क्रीन पर बिताने वाले लोगों में अवसाद और एंग्जायटी का जोखिम दोगुना हो जाता है। केंद्र सरकार ने बच्चों और युवाओं में बढ़ती डिजिटल लत को एक गंभीर साइलेंट क्राइसिस घोषित किया है। सर्वे में माता-पिता से मिले फीडबैक के आधार पर बच्चों में ये बदलाव देखे गए हैं। 61 फीसदी बच्चों में अधीरता बढ़ गई है। 58 प्रतिशत बच्चों में अत्यधिक गुस्सा और आक्रामकता देखी गई है। 50 फीसदी बच्चे अति-सक्रियता का शिकार हो रहे हैं। सर्वे कहता है कि लगभग आधे बच्चों में नींद की कमी, डिप्रेशन और सुस्ती पाई गई है। वहीं शॉर्ट वीडियो (रील्स) के लूप में फंसे रहने से युवाओं की एकाग्रता क्षमता बहुत कम हो गई है। फोन छीनने या गेमिंग से रोकने पर बच्चे हिंसक कदम उठा रहे हैं। लखनऊ में एक 16 वर्षीय लड़के द्वारा गेमिंग की लत के कारण टोकने पर अपनी मां की हत्या करने जैसी दिल दहलाने वाली घटना सामने आई हैं। एम्स दिल्ली और अमेरिकी मेडिकल जर्नल की रिपोर्ट्स के अनुसार, स्क्रीन और सोशल मीडिया एडिक्शन के शिकार बच्चों में आत्महत्या से संबंधित जोखिम अधिक पाया गया है। गाजियाबाद में ऑनलाइन गेमिंग और मोबाइल की लत के चलते तीन नाबालिग बहनों द्वारा नौवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी करने की घटना इसका उदाहरण है। सड़कों, रेलवे ट्रैक और खतरनाक ऊंचाई पर इंस्टाग्राम रील्स या शॉर्ट वीडियो शूट करने के जुनून में हर साल सैकड़ों भारतीय युवा अपनी जान गंवा रहे हैं या गंभीर हादसों का शिकार हो रहे हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 15 से 24 वर्ष के 14 प्रतिशत युवा (हर 7 में से 1) अक्सर अवसाद या मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं। निमहांस सर्वेक्षण के अनुसार, 13 से 17 वर्ष के 7.3 फीसदी किशोर गंभीर मानसिक विकारों से पीड़ित हैं। शहरी क्षेत्रों में यह संख्या और भी अधिक पाई गई है। एनसीईआरटी छात्र सर्वेक्षण में स्कूल जाने वाले 11 प्रतिशत छात्रों ने अत्यधिक चिंता, 14 फीसदी ने चरम भावनाओं और 43 प्रतिशत ने मूड स्विंग्स की शिकायत की है। आईसीएमआर अध्ययन में कॉलेज जाने वाले 32 प्रतिशत छात्रों में मध्यम से गंभीर अवसाद के लक्षण देखे गए हैं। स्पेन लैब्स की युवा मानसिकता रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेट और डिजिटल दुनिया से जुड़े 13-17 वर्ष के भारतीय किशोरों में आक्रामकता, गुस्सा और आत्म-नियंत्रण की कमी तेजी से बढ़ रही है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अनुसार, भारत में 15 से 29 वर्ष के युवाओं की मृत्यु का एक मुख्य कारण आत्महत्या है। कम उम्र में स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग, स्क्रीन टाइम बढ़ना और संयुक्त परिवारों का टूटना युवाओं को अकेला बना रहा है। असल में आज की डिजिटल दुनिया में अत्यधिक स्क्रीन टाइम मानसिक अवसाद यानी डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। दिखावे की संस्कृति और अनियंत्रित मानसिक अवसाद हंसते-खेलते परिवारों को तबाह कर रहे हैं। इस जानलेवा स्थिति से परिवार को सुरक्षित रखने के लिए माता-पिता और युवाओं दोनों को तुरंत कदम उठाने होंगे। इसके लिए शुरुआती उम्र में फोन से दूरी बनाएं। बच्चों को शांत रखने के लिए बचपन से ही हाथ में फोन थमाने की आदत बिल्कुल बंद करें। बच्चों को स्क्रीन एडिक्शन से बचने के लिए उन्हें समय दें।

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 9/09/2026

सूर्योदय : 06:13 **सूर्यास्त :** 18:34 **चन्द्रोदय :** 04:02 **चन्द्रास्त :** 17:31 **शक सम्वत :** 1948 पराभव **विक्रम संवत :** 1983 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना :** श्रावण **पूर्णिमांत :** भाद्रपद **सूर्य राशि :** सिंह **चन्द्र राशि :** कर्क **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** त्रयोदशी, 12:32 तक **वार :** बुधवार **कलियुग :** 5127 वर्ष **द्रिक ऋतु :** शरद **द्रिक-वैदिक अयन :** दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : आश्लेषा, 15:13 तक
योग : शिव, 21:47 तक
प्रथम करण : वणिजा, 12:32 तक
द्वितीय करण : विष्टि, 23:31 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:31 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:54 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:23 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:34 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:34 पी एम से
अमृत काल	01:43 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:55 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शुक्र
कुंभी चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:12 - 07:45	उद्वेग : 18:33 - 20:01
अमृत	: 07:45 - 09:17	शुभ : 20:01 - 21:28
काल काल वेला	: 09:17 - 10:50	अमृत : 21:28 - 22:56
शुभ	: 10:50 - 12:23	चर : 22:56 - 00:23
रोग वार वेला	: 12:23 - 13:55	रोग : 00:23 - 01:50
उद्वेग	: 13:55 - 15:28	काल : 01:50 - 03:18
चर	: 15:28 - 17:01	लाभ : 03:18 - 04:45
लाभ	: 17:01 - 18:33	उद्वेग : 04:45 - 06:12

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज त्रयोदशी

आज कौन सा कार्य करें

त्रयोदशी : राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

भाद्रपद, कृष्ण, त्रयोदशी, 2083 बुधवार, 9 सितम्बर - 15 सितम्बर, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

साइबर क्राइम शाखा ने एडवाइजरी : डिफॉल्ट पासवर्ड तुरंत बदलें, डब्ल्यूपीए3/डब्ल्यूपीए2 एन्क्रिप्शन अपनाएं

घर पर Wi-fi तो पर्सनल जानकारी लीक का खतरा!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर पुलिस साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आमजन को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चला रही है. राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने Wi-fi नेटवर्क को हैकिंग और अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखने के संबंध में आम लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

डेटा लीक होने का खतरा

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम वीके सिंह ने बताया कि आज के दौर में Wi-fi सिर्फ इंटरनेट चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि घर और कार्यालय के मोबाइल, लैपटॉप, स्मार्ट टीवी और अन्य स्मार्ट डिवाइस को जोड़ने वाला डिजिटल नेटवर्क है. ऐसे में यदि Wi-fi राउटर की सुरक्षा कमजोर है, तो अनधिकृत डिवाइस आपके नेटवर्क से जुड़कर न केवल इंटरनेट की गति और डेटा खपत को प्रभावित कर सकते हैं, बल्कि डेटा लीक, साइबर फ्रॉड, हैकिंग और निजी जानकारी की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर सकते हैं।

अनजान डिवाइस तो नहीं जुड़ा?

यदि किसी व्यक्ति को संदेह है कि उसके Wi-fi नेटवर्क से कोई अनधिकृत डिवाइस जुड़ा हुआ है, तो वह अपने मोबाइल या लैपटॉप को उसी Wi-fi नेटवर्क से कनेक्ट कर ब्राउजर के माध्यम से राउटर का एडमिन पेज खोल सकता है. राउटर के एडमिन यूजरनेम और पासवर्ड से लॉगिन करने के बाद कनेक्टेड डिवाइसेस, डिवाइस लिस्ट या अटैच्ड डिवाइसेस जैसे विकल्पों में नेटवर्क से जुड़े उपकरणों की जानकारी देखी जा सकती है. किसी अनजान डिवाइस की पहचान होने पर उसे नेटवर्क से हटाया जा सकता है।

डिफॉल्ट पासवर्ड पहले बदलें

राउटर की सेटिंग्स में जाकर निर्माता द्वारा दिया गया डिफॉल्ट 'एडमिन' पासवर्ड तुरंत बदलें. राउटर की सेटिंग्स सामान्यतः 192.168.1.1 या 192.168.0.1 जैसे एड्रेस से खोली जा सकती हैं. Wi-fi पासवर्ड मजबूत रखें और उसमें बड़े-छोटे अक्षर, संख्याएं तथा विशेष चिन्हों का मिश्रण रखें. साथ ही एसएसआईडी यानी Wi-fi का नाम ऐसा रखें जिससे आपकी व्यक्तिगत पहचान या राउटर के ब्रांड का आसानी से पता न चले।

डब्ल्यूपीए-3 अपनाएं

Wi-fi की सुरक्षा के लिए राउटर में डब्ल्यूपीए-3 एन्क्रिप्शन चालू रखने की सलाह दी गई है. यदि डब्ल्यूपीए-3 उपलब्ध नहीं है तो कम से कम डब्ल्यूपीए2-एईएस का उपयोग करें. पुराने डब्ल्यूईपी या डब्ल्यूपीए मोड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए.

डब्ल्यूपीएस और रिमोट मैनेजमेंट रखें बंद

साइबर सुरक्षा मजबूत रखने के लिए राउटर का डब्ल्यूपीएस (Wi-fi प्रोटेक्टेड सेटअप) फीचर बंद रखने की सलाह दी गई है. इसी तरह रिमोट मैनेजमेंट को भी डिसेबल रखें, ताकि इंटरनेट के माध्यम से बाहर से कोई व्यक्ति राउटर की सेटिंग्स तक पहुंचने की कोशिश न कर सके.

स्मार्ट टीवी और आईओटी के लिए अलग नेटवर्क

घर में स्मार्ट टीवी, स्मार्ट उपकरण या अन्य आईओटी डिवाइस इस्तेमाल करने वाले लोगों को इन्हें मुख्य Wi-fi नेटवर्क से अलग रखने के लिए गेस्ट नेटवर्क का उपयोग करना चाहिए. इससे मुख्य नेटवर्क से जुड़े मोबाइल, लैपटॉप और अन्य महत्वपूर्ण डिवाइस को अतिरिक्त सुरक्षा मिलती है।

राउटर का सॉफ्टवेयर भी रखें अपडेट

राउटर के फर्मवेयर को नियमित रूप से अपडेट करते रहें, जिससे निर्माता द्वारा जारी किए गए नए सुरक्षा पैच मिलते रहें. इसके साथ ही सुरक्षा बढ़ाने के लिए विश्वसनीय डिवाइसों के मैक एड्रेस को व्हाइटलिस्ट करने की सुविधा का भी उपयोग किया जा सकता है.

साइबर घटना हो तो तुरंत दें सूचना

राजस्थान पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि Wi-fi नेटवर्क से छेड़छाड़, साइबर ठगी, हैकिंग या किसी अन्य साइबर अपराध की घटना सामने आती है तो बिना देरी किए निकटतम पुलिस थाना या साइबर पुलिस स्टेशन को सूचना दें. साइबर अपराध की शिकायत राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल https://cybercrime.gov.in पर की जा सकती है. वित्तीय साइबर ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें. राजस्थान पुलिस के साइबर हेल्पडेस्क नंबर 9256001930 और 9257510100 पर भी सूचना दी जा सकती है।

श्री करणी यूनिवर्स कॉलेज में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री करणी यूनिवर्स कॉलेज, जयपुर में शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। यह दिवस भारत के महान शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया। कार्यक्रम में कॉलेज परिवार ने शिक्षकों के योगदान, समर्पण और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानपूर्वक याद किया। कार्यक्रम में कॉलेज के फाउंडर चेयरमैन अनूप शेखावत, चेयरमैन डॉ. विजय सिंह राठौड़, फाउंडर डायरेक्टर रितिका राठौड़ तथा कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. कुसुम राजावत सहित शिक्षकगण एवं कॉलेज स्टाफ उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि उन्हें जीवन में सही दिशा दिखाने, संस्कार देने और एक बेहतर नागरिक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान को भी स्मरण किया गया तथा उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। अंत में कॉलेज परिवार ने सभी शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता एवं सम्मान प्रकट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने दिलाई शपथ

संजय कुमार अग्रवाल बने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधिपति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने लोकभवन में संजय कुमार अग्रवाल को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति पद की शपथ दिलाई। जस्टिस संजय कुमार अग्रवाल ने अंग्रेजी में शपथ ली। समारोह के प्रारम्भ में मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने राज्यपाल से संजय कुमार अग्रवाल को शपथ दिलवाने का आग्रह किया। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा जारी मुख्य न्यायाधिपति की नियुक्ति अधिसूचना एवं वारंट पढ़कर सुनाया। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा और मंत्रिमण्डल के सदस्यगण, जनप्रतिनिधिगण, राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं मुख्य न्यायाधिपति संजय कुमार अग्रवाल के परिजन उपस्थित रहे।

प्रथम चरण में 9 सितम्बर एवं द्वितीय चरण में 11 सितम्बर को रहेगा अवकाश

नगरीय निकाय चुनाव के मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के कार्यक्रम के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी (म्युनिसिपल) संदेश नायक ने जयपुर जिले में मतदान दिवस के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में 9 सितम्बर को नगर परिषद शाहपुरा एवं चौमूं तथा नगरपालिकाओं बगरू, चाकसू, जोबनेर, किशनगढ़ - रेनवाल, फुलेरा, सांभर, बस्सी, दूदू, जमवारामगढ़, कालाडेरा, कानोता, खेजरोली, मनोहरपुर, नारायणा, फागी एवं वाटिका में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। वहीं द्वितीय चरण में 11 सितम्बर को नगर निगम जयपुर के क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

मतदान दिवस के साथ ही जहां पुनर्मतदान होगा, वहां पुनर्मतदान की तिथि को भी संबंधित मतदान क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश रहेगा ताकि जयपुर जिले के नगरीय निकायों के निर्वाचन क्षेत्रों में निवास करने वाले मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, इसके लिए निर्धारित प्रावधानों के अनुसार अवकाश का लाभ ले सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जयपुर जिले के नगरीय निकायों के निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में नियोजित कर्मचारियों को मतदान दिवस के दिन सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जाना सुनिश्चित किया गया है, ताकि वे अपने मताधिकार का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से प्रयोग कर सकें। आदेश की पालना नहीं करने पर संबंधित नियोजकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकेगी।

सुप्रीम कोर्ट का 2008 जयपुर ब्लास्ट के दोषी को जमानत देने से इनकार

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने 2008 के जयपुर सीरियल बम धमाकों से जुड़े एक मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे मोहम्मद सरवर आज़मी उर्फ ढिल्ला पप्पू को कोई राहत देने से इनकार कर दिया. न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना वी. वराले की पीठ ने कहा कि यह मामला इतना गंभीर है कि इसे किसी सामान्य जमानत मामले की तरह नहीं देखा जा सकता, क्योंकि इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और जनता की सुरक्षा को खतरा शामिल है. जयपुर में 13 मई, 2008 को अलग-अलग जगहों पर नौ बम लगाए गए थे. इनमें से आठ बम फट गए, जिसमें 70 लोगों की मौत हो गई और लगभग 186 लोग घायल हो गए थे।

वन्दे मातरम् के 150वें वर्ष के सामूहिक गान का अभ्यास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय केशव विद्यापीठ जामडोली जयपुर में वन्दे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित होने वाले सामूहिक वन्दे मातरम् गान कार्यक्र म की तैयारियों के क्र म में सामूहिक वन्दे मातरम् गान का अभ्यास महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा एवं संगीत आचार्य अनुराधा शर्मा के नेतृत्व में किया गया। सभी विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सामूहिक रूप से वन्दे मातरम् गान का अभ्यास करते हुए एक स्वर में राष्ट्रभाव एवं मातृभूमि के प्रति श्रद्धा का भाव व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर को प्रातः11:00 बजे देशभर में एक साथ सामूहिक रूप से वन्दे मातरम् गान का आयोजन प्रस्तावित है। राष्ट्रव्यापी आयोजन में विद्या भारती के विद्यालयों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि 25 सितंबर को सभी सहभागी पूरे उत्साह, अनुशासन के साथ इस राष्ट्रव्यापी आयोजन में सहभागी बन सकें। वन्दे मातरम् के 150वें वर्ष का यह अवसर राष्ट्रभाव, राष्ट्रीय एकता एवं जनभागीदारी को सुदृढ़ करने का अवसर है। महाविद्यालय परिवार ने अधिकाधिक लोगों को इस ऐतिहासिक आयोजन से जोड़ने तथा वन्दे मातरम् के स्वर को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प व्यक्त किया।

भरतपुर-ब्यावर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे

यहां बनेगा 277किमी.लंबा नया एक्सप्रेस-वे, 210 गांवों की 2,600 हेक्टेयर जमीन होगी अवाप्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में पूर्व से पश्चिमी राजस्थान के बीच तेज और सुगम आवागमन के लिए भरतपुर-ब्यावर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 277 किलोमीटर लंबा 4 लेन एक्सप्रेस-वे जयपुर, टोंक, दौसा, सवाई माधोपुर, करौली और भरतपुर जिलों से होकर गुजरेगा। इसके लिए 210 गांवों के 10,890 खसरों की करीब 2,600 हेक्टेयर जमीन अवाप्त की जाएगी। जयपुर जिले के दूदू के ग्राम झाग से शुरू होकर एक्सप्रेस-वे एनएच-21 पर भरतपुर के ऊंचा नगला तक पहुंचेगा। फागी से राजस्थान-उत्तर प्रदेश सीमा के बीच यात्रा समय भी 7 घंटे से घटकर करीब 2.5 से 3 घंटे रहने का अनुमान है। भरतपुर-ब्यावर एक्सप्रेस-वे एक्सेस कंट्रोल्ड होगा और वाहनों की अधिकतम गति 120 किमी प्रति घंटा रखी जाएगी। निर्माण पर 8,656 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। इसमें 5,231 करोड़ रुपए सिविल कार्य और 2,640 करोड़ रुपए भूमि अवाप्ति पर खर्च होंगे। प्रति किलोमीटर लागत करीब 31.55 करोड़ रुपए होगी।

30 पुल, 4 आरओबी, 10 इंटरचेंज और 179 अंडरपास

परियोजना में 30 छोटे-बड़े पुल, रेललाइन पर चार आरओबी, सात फ्लाईओवर, 10 इंटरचेंज तथा वाहनों के लिए 179 छोटे-बड़े अंडरपास बनाए जाएंगे। एक्सप्रेस-वे ब्यावर-किशनगढ़ क्षेत्र को भरतपुर से जोड़ते हुए अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे, एनएच-448 और एनएच-21 के बीच आर्थिक गलियारा मजबूत करेगा। बढ़ती औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों के बीच एनएच-48 और एनएच-21 पर यातायात का दबाव भी कम होने की उम्मीद है।

करौली में 58.8 किमी लंबाई, 7,122 पेड़ कटेंगे

करौली जिले में एक्सप्रेस-वे की लंबाई 58.8 किलोमीटर होगी। करौली, नादौती, हिंडौन, श्रीमहावीरजी और सूरौठ तहसीलों के 49 गांवों में 2,256 खसरों की 637.64 हेक्टेयर निजी और 35.42 हेक्टेयर सरकारी भूमि ली जाएगी। इससे 26,539 परिवारों के 1,06,156 लोग प्रभावित होंगे। करीब 7,122 पेड़ों की कटाई भी प्रस्तावित है। परियोजना को लेकर अंतिम सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट जारी हो चुकी है।

90 मीटर चौड़ा होगा कॉरिडोर

एक्सप्रेस-वे करीब 90 मीटर चौड़ा होगा और इसकी ऊंचाई 2.5 से 7 मीटर तक रहेगी। परियोजना से राजस्थान के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों के बीच माल एवं यात्री परिवहन को नया वैकल्पिक मार्ग मिलेगा।

नया एक्सप्रेस-वे बनने से सफर होगा आसान

भरतपुर-ब्यावर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बनने से जयपुर, टोंक, दौसा, सवाई माधोपुर, करौली और भरतपुर जैसे जिलों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे यात्रा का समय और ईंधन खर्च कम होने की उम्मीद है। एक्सप्रेस-वे से मौजूदा सड़कों और हाईवे पर ट्रैफिक का दबाव भी घटेगा। किसानों को कृषि उपज बड़े बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही लॉजिस्टिक्स, उद्योग, पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलने से नए रोजगार और निवेश के अवसर पैदा होंगे। पूर्वी राजस्थान के शहरों और गांवों का आर्थिक विकास भी तेज हो सकता है।

'वीमेन ऑफ वंडर समिट एंड अवॉर्ड्स 2026' आयोजित

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। प्रज्ञाता फाउंडेशन द्वारा वसंत कुंज क्लब में 'वीमेन ऑफ वंडर समिट एंड अवॉर्ड्स 2026' का सफल आयोजन किया गया। फाउंडेशन की संस्थापिका ममता यादव ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रोटेरियन अंजू जालान (फर्स्ट लेडी, डिस्ट्रिक्ट 3011) और रोटेरियन सीए अजीत जालान (डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, डिस्ट्रिक्ट 3011) ने शिरकत की। वहीं, रोटेरियन अशोक कांतूर (पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, डिस्ट्रिक्ट 3011) विशिष्ट अतिथि (गेस्ट ऑफ ऑनर) के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में एंटरप्रेन्योरशिप (उद्यमिता), एक्सीलेंस इन एजुकेशन (शिक्षा में उत्कृष्टता), यंग चेंज मेकर, लीडरशिप इन सोशल चेंज, सोशल इम्पैक्ट, हेल्थ एंड वेलनेस, वीमेन ऑफ द ईयर, और वॉलिंटियर ऑफ द ईयर शामिल हैं। कार्यक्रम में सम्मानित होने वाली प्रमुख हस्तियों में मोनिका कपूर, कागज कला, नेहरिका के खन्ना, डॉ. (प्रो.) पूनम सूरी, डॉ. गरविता सिंह, दीप्ति मलिक, गरिमा मालवीय, श्रेया स्नेही, रितु कालरा, रोटेरियन पूजा भाटिया, सविता सोनी, शशि बहल, मीनाक्षी अग्रवाल, नीरज वाल्मीकि, सीमा जैन, सुनीला सपरा, अंजलि माथुर, डॉ. मीनाक्षी चंदना, डॉ. ज्योति यादव, शैफाली संगल, नेहा अग्रवाल, नीति जैन, तनु राजपूत और शुभांगी कौशिक शामिल रहीं।

साइबर क्राइम हॉटस्पॉट पर फोकस; पुलिस, बैंकों एवं संबंधित हितधारकों के साथ शीघ्र समीक्षा बैठक करने के निर्देश

साइबर अपराध पीड़ितों को त्वरित राहत और नवीन आपराधिक कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें- मुख्य सचिव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस), साइबर सुरक्षा तथा नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। बैठक में आपराधिक न्याय प्रणाली से जुड़े विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म, साइबर अपराधों से निपटने की व्यवस्था तथा नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

डिजिटल एकीकरण को और मजबूत करने पर जोर

मुख्य सचिव ने आईसीजेएस के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न स्तंभों के बीच डिजिटल एकीकरण को और मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-समन की इलेक्ट्रॉनिक तामील में सुधार तथा फॉरेंसिक, कारागार, अभियोजन एवं मेडिको-लीगल व्यवस्थाओं के डिजिटल इंटीग्रेशन को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान आईसीजेएस के तहत हुई प्रगति पर चर्चा करते हुए मुख्य सचिव ने शेष तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। नवीन आपराधिक कानूनों से संबंधित राष्ट्रीय डैशबोर्ड पर आईसीजेएस इंटीग्रेशन में राजस्थान को 10 में से 10 अंक प्राप्त हुए हैं। प्रदेश के सभी 1,040 पुलिस थानों में राजनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा चुकी है। मुख्य सचिव ने चिकित्सा, पुलिस एवं अभियोजन से संबंधित डिजिटल प्रणालियों के बेहतर उपयोग पर भी जोर दिया। इसी क्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह श्री भास्कर आत्माराम सावंत ने बताया कि प्रदेश में मेडलीपीआर (मेडिको-लीगल एग्जामिनेशन एंड पोस्ट-मॉर्टम रिपोर्टिंग) का सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) के साथ एकीकरण पूरा हो चुका है। सभी जिले ई-प्रॉसिक्यूशन पर भी ऑनबोर्ड हैं।

पीड़ितों की राशि शीघ्र लौटाने और हॉटस्पॉट पर फोकस

मुख्य सचिव ने साइबर अपराधों की समीक्षा करते हुए साइबर फ्रॉड पीड़ितों की होल्ड की गई राशि शीघ्र वापस दिलाने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने मनी रेस्टोरेशन मॉड्यूल का प्रभावी उपयोग करने तथा ग्रिवांस रिड्रेसल मॉड्यूल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि साइबर फ्रॉड के मामलों में पुलिस और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय से पीड़ितों को त्वरित राहत मिलनी चाहिए। मुख्य सचिव ने साइबर क्राइम हॉटस्पॉट पर फोकस्ड कार्रवाई के निर्देश देते हुए पुलिस, बैंकों एवं संबंधित हितधारकों के साथ इस विषय पर शीघ्र पृथक समीक्षा बैठक आयोजित करने को कहा। उन्होंने साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए सहयोग पोर्टल के प्रभावी उपयोग, समन्वय पोर्टल के माध्यम से विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों की साइबर क्षमता बढ़ाने पर भी जोर दिया।

कानून की मूल भावना सर्वोपरि

नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में इस दिशा में प्रगति हुई है, लेकिन अभी और बेहतर करने की गुंजाइश है। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रदर्शन मानकों में राजस्थान की स्थिति और बेहतर करने के लिए संबंधित विभागों एवं संस्थाओं को समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।

335 विद्यार्थियों ने ली कृषि क्षेत्र की नई तकनीकी जानकारी, वैज्ञानिकों ने किया मार्गदर्शन

भविष्य में कृषि क्षेत्र में नए दिमाग और उत्साही युवाओं की जरूरत-जैतावत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। कृषि विश्वविद्यालय में आर्मी पब्लिक स्कूल, जोधपुर के 335 विद्यार्थियों ने कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों व कृषि तकनीकी से रूबरू होने के लिए विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इस मौके पर कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह जैतावत ने कहा कि आने वाली नई पीढ़ी का कृषि क्षेत्र से जुड़ाव अत्यंत आवश्यक है क्योंकि बढ़ती आबादी के लिए भविष्य में अनाज की मांग पूरी करने के लिए नए दिमाग व ऊर्जा से भरपूर उत्साही युवाओं की जरूरत रहेगी।

नई पीढ़ी डिजिटल रूप से दक्ष एवं संभावनाओं से भरपूर है साथ ही खेती अब सिर्फ पारंपरिक काम नहीं है। अपितु भविष्य में बेहतरीन रोजगार के लिए फूड प्रोसेसिंग, जैविक खाद और कृषि विपणन में स्टार्टअप के बड़े अवसर हैं। इसलिए बेहतरीन रोजगार को देखते हुए भी विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र से परिचित करवाना अत्यंत आवश्यक है।

विभिन्न वैज्ञानिकों ने किया मार्गदर्शन

इस दौरान कैंपस इंचार्ज डॉ अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की समस्त इकाइयों का भ्रमण किया। इस दौरान म्यूजियम इंचार्ज, डॉ एम एस चंदावत ने विद्यार्थियों को कृषि म्यूजियम से रूबरू करवाया। वर्मी कंपोस्ट इंचार्ज, डॉ बी एल कुम्हार ने खाद से जुड़ी जानकारी दी। नर्सरी इंचार्ज, डॉ हरी दयाल चौधरी ने विद्यार्थियों को नर्सरी का भ्रमण करवाया। इस दौरान कृषि महाविद्यालय से सहायक आचार्य, डॉ मनीष कुमार, डॉ अजीत सिंह व डॉ रेखा रत्नू ने भी विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र की नई तकनीकों, फसलों , विभिन्न रोग एवं नई किस्मों की जानकारी देकर उनका मार्गदर्शन किया। आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रशासन की ओर से विश्वविद्यालय के कुलगुरु, कुलसचिव , निदेशकों व सभी वरिष्ठ वैज्ञानिकों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ विद्यालय के स्टाफ के सदस्य भी मौजूद रहे।

औद्योगिक निवेश में बढ़ता विश्वासः रीको करेगा 376 करोड़ के भूखण्ड आवंटित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रीको द्वारा हाल ही में आयोजित भूखण्डों की ई-नीलामी में उद्यमियों के रूझान को देखते हुए स्पष्ट है कि निवेशक राजस्थान में अधिक से अधिक औद्योगिक इकाइयां स्थापित करना चाहते हैं। राज्य की निवेश संवर्द्धन नीतियों के प्रति उद्यमियों का विश्वास निरंतर बढ़ रहा है। नीलामी में 102 भूखण्डों के लिए 200 से अधिक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए। जिन भूखण्डों के लिये सफलतापूर्वक बिडिंग संपन्न हुई, उनका क्षेत्रफल करीब 62 एकड़ तथा कुल मूल्य लगभग 376 करोड़ रुपये हैं।

नीलामी में औद्योगिक भूखण्डों के साथ-साथ कियोस्क, होटल, वे-ब्रिज, स्कूल, दुकान, पेट्रोल पंप तथा कमर्शियल शोरूम जैसी विभिन्न श्रेणियों के भूखण्ड भी उद्यमियों के लिए उपलब्ध कराए गए। नीलामी में अजमेर, अलवर, भिवाड़ी, घीलोठ, जयपुर, नागौर, पाली, कोटा और सवाई माधोपुर सहित प्रदेश के अनेक जिलों के औद्योगिक क्षेत्रों को शामिल किया गया। इनमें आबूरोड के ग्रोथ सेंटर द्वितीय चरण एवं सरणेश्वर, भीलवाड़ा के ग्रोथ सेंटर हमीरगढ़, भिवाड़ी के औद्योगिक क्षेत्र कहारनी, औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ, जयपुर के औद्योगिक क्षेत्र बगरू-छितरौली, कोटा के औद्योगिक क्षेत्र इंद्रप्रस्थन तथा पाली के औद्योगिक क्षेत्र नया गांव के लिए उद्यमियों का विशेष रुझान देखने को मिला। इन भूखण्डों पर स्थापित होने वाली औद्योगिक एवं व्यावसायिक इकाइयां प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के व्यापक अवसर सृजित करेंगी। इससे राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

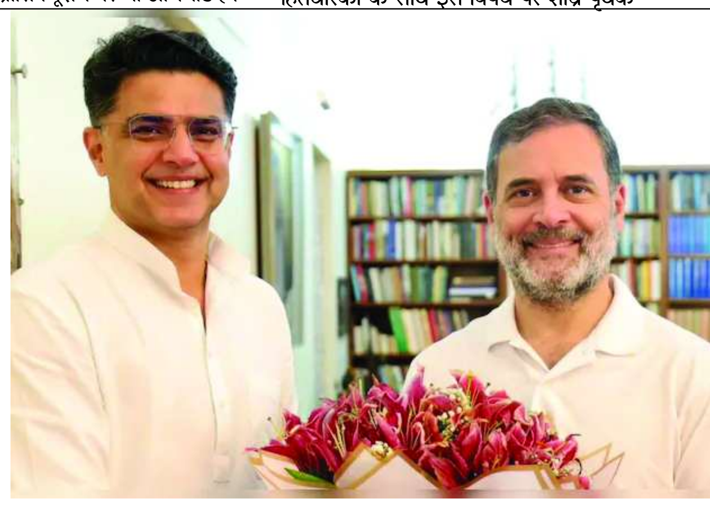

पंजाब कांग्रेस प्रभारी बनने के बाद राहुल-प्रियंका से मिले सचिन पायलट, नई जिम्मेदारी पर हुई चर्चा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट को पंजाब कांग्रेस का प्रभारी बनाए जाने के बाद पायलट ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात का सिलसिला शुरू कर दिया है. इसी क्रम में उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की. माना जा रहा है कि इन मुलाकातों में पंजाब कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई।

संगठन को मजबूत करने पर फोकस

पंजाब कांग्रेस प्रभारी के तौर पर पायलट की नियुक्ति को पार्टी हाईकमान की महत्वपूर्ण रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है. पार्टी अगले विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को मजबूत करना चाहती है. पायलट को पंजाब के नेताओं के बीच समन्वय बनाने के साथ कार्यकर्ताओं में नया जोश पैदा करने की चुनौती भी होगी।

पायलट की राष्ट्रीय भूमिका भी बढ़ी

पायलट की नियुक्ति के बाद पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग समेत प्रदेश के कई नेताओं ने उनसे मुलाकात की है. पार्टी नेतृत्व का फोकस अब संगठन को एकजुट कर आम आदमी पार्टी और भाजपा के खिलाफ कांग्रेस को मजबूत करने पर है. पंजाब की जिम्मेदारी मिलने के साथ पायलट की राष्ट्रीय भूमिका भी बढ़ी है. कांग्रेस हाईकमान ने उन्हें ऐसे राज्य की कमान दी है, जहां पार्टी के सामने संगठनात्मक चुनौतियों के साथ मजबूत राजनीतिक मुकाबला भी है।

मतदाता जागरूकता रैली से दिया लोकतंत्र में भागीदारी का संदेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जॉबनेर। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जॉबनेर में मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से भव्य रैली का आयोजन किया गया। विवि के कुलगुरु प्रो. डॉ पुष्पेन्द्र सिंह चौहान एवं महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष डॉ एल आर यादव ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर कुलगुरु डॉ पुष्पेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। युवाओं को स्वयं मतदान करने के साथ-साथ अपने परिवार एवं समाज के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष डॉ. एल. आर. यादव ने कहा कि युवा लोकतंत्र के सबसे महत्वपूर्ण सहभागी हैं। विद्यार्थियों को मतदान के महत्व को समझते हुए स्वयं जागरूक मतदाता बनना चाहिए तथा समाज में भी मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश पहुंचाना चाहिए। रैली में एनसीसी के सभी कैडेट्स एवं एनएसएस के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आमजन को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में कैप्टन (डॉ.) बी.एल. दूधवाल (एएनओ), डॉ. पिंकी शर्मा (जीसीआई), डॉ. बी.एस. चंद्रावत, डॉ. एस.एल. शर्मा एवं डॉ. आनंद कुमार मीणा सहित अन्य उपस्थित रहे। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने, लोकतंत्र को मजबूत बनाने तथा बिना किसी प्रलोभन के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान करने का संदेश दिया। रैली के पश्चात नुक्कड़ नाटक, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इनमें एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया और अपनी रचनात्मकता एवं विचारों के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन में मतदान के प्रति जिम्मेदारी, जागरूकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की भावना विकसित करना रहा।

नगर निकाय चुनाव-2026

723 संवेदनशील मतदान केन्द्र चिन्हित, कोटा सबसे आगे154 संवेदनशील मतदान केन्द्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निकाय चुनाव-2026 में कुल 723 संवेदनशील मतदान केन्द्र चिन्हित किए गए हैं. राजस्थान के 302 नगरीय निकायों में 723 मतदान केन्द्र संवेदनशील हैं. कोटा में सबसे ज्यादा 154 संवेदनशील मतदान केन्द्र हैं. राजसमंद- 69 संवेदनशील केन्द्र, नागौर- 68 संवेदनशील केन्द्र हैं.शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

हनुमानगढ़- 63 संवेदनशील केन्द्र, कोटपूतली-बहरोड़- 56 संवेदनशील केन्द्र, खैरथल-तिजारा- 48 संवेदनशील केन्द्र, बांसवाड़ा- 34 संवेदनशील केन्द्र, उदयपुर- 31 संवेदनशील केन्द्र, चित्तौड़गढ़- 29 संवेदनशील केन्द्र, डीग- 28 संवेदनशील केन्द्र,ब्यावर- 27 संवेदनशील केन्द्र सवाई माधोपुर- 26 संवेदनशील केन्द्र, ब्यावर- 27, सवाई माधोपुर- 26 केन्द्र हैं.

जैसलमेर- 21 संवेदनशील केन्द्र, धौलपुर- 17 संवेदनशील केन्द्र, बाड़मेर- 14 संवेदनशील केन्द्र, जालोर- 12 संवेदनशील केन्द्र, श्रीगंगानगर- 8 संवेदनशील केन्द्र, प्रतापगढ़- 6 संवेदनशील केन्द्र हैं. करौली- 5 संवेदनशील केन्द्र, सीकर- 5 संवेदनशील केन्द्र, हनुमानगढ़ के बाद संवेदनशील बूथों में कई जिलों की संख्या दहाई में हैं. हालांकि अभी भरतपुर के संवेदनशील मतदान केद्रों का आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

पासा फेंकते ही खुलेगी किताबों की दुनिया, पढ़ेंगे भी और अपनी बात भी कहेंगे बच्चे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

राजसमंद। आमतौर पर किताब खोलते ही बच्चों के सामने पढ़ाई का दबाव आ जाता है, लेकिन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नेगड़िया में अब किताबों की दुनिया कुछ अलग अंदाज में खुलेगी। यहां विद्यार्थी पासा फेंकेंगे, बोर्ड पर आगे बढ़ेंगे, किताब चुनेंगे, पढ़ेंगे, सवालों के जवाब देंगे और अपनी रचनात्मकता भी दिखाएंगे। शिक्षक दिवस पर विद्यालय में शुरू हुआ 'रीडिंग डाइस चैलेंज' पठन को खेल, चुनौती, चिंतन और रचनात्मक अभिव्यक्ति से जोड़ने वाली अभिनव पहल है।

चार पासे और पढ़ने की कहानी

इस खेल की सबसे खास बात इसके चार शैक्षिक पासे हैं। संख्या पासा विद्यार्थी को बोर्ड पर आगे बढ़ाएगा। पुस्तक श्रेणी पासा तय करेगा कि विद्यार्थी कविता, कहानी, विज्ञान, जीवनी, कॉमिक्स या सामान्य ज्ञान में से किस तरह की पुस्तक से जुड़ेगा। इसके बाद गतिविधि पासा विद्यार्थी के सामने नई चुनौती रखेगा। उसे सस्वर वाचन करना पड़ सकता है, मुख्य विचार बताना पड़ सकता है, चित्र बनाना, सारांश लिखना, किसी पात्र की भूमिका निभाना या पुस्तक का परिचय देना पड़ सकता है। चौथा है चिंतन पासा, जो विद्यार्थी को सिर्फ पढ़ने तक सीमित नहीं रखेगा, बल्कि पढ़ी गई सामग्री पर सोचने के लिए प्रेरित करेगा।

30 पड़ाव... हर पड़ाव पर नई चुनौती

खेल के बोर्ड में प्रारंभ से समापन तक 30 गतिविधि पड़ाव बनाए गए हैं। यानी हर बार पासा फेंकने के साथ पढ़ने की यात्रा में नया मोड़ आएगा। बोर्ड में पठन सितारा, आश्चर्य उपहार, रॉकेट बढ़त, खुली पुस्तक, सहयोगी हाथ, विराम बिंदु, दोबारा पासा फेंकें और विजेता बोनस जैसे विशेष स्थान भी बनाए गए हैं। यही विशेष पड़ाव खेल में रोमांच और उत्साह बढ़ाते हैं।

पढ़ेंगे भी... सोचेंगे भी... और बोलेंगे भी

'रीडिंग डाइस चैलेंज' की खासियत यह है कि विद्यार्थी पुस्तक पढ़कर उसे बंद नहीं करेगा, बल्कि पढ़ी हुई सामग्री के बारे में अपनी बात भी रखेगा। उसे मुख्य विचार, सारांश, पात्र, तथ्य और अपनी पसंद के बारे में बताना होगा। कहीं कहानी का नया अंत लिखना होगा तो कहीं पुस्तक का परिचय देना होगा। किसी गतिविधि में पुस्तक की सिफारिश करनी होगी, तो किसी में प्रश्न तैयार करने, चित्र बनाने या पात्र की भूमिका निभाने का मौका मिलेगा। इस पूरी प्रक्रिया से विद्यार्थियों की पठन समझ, शब्द-भंडार, कल्पनाशक्ति, रचनात्मक सोच, बोलने की क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने का अवसर मिलेगा।

निकाय चुनाव में खूब बिकी जोधपुर की पगड़ी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर की पगड़ी की अपनी अलग शान है. शादियों से लेकर त्योहारों तक, खास मौकों पर राजस्थान की इस मशहूर पगड़ी की हमेशा से मांग रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से भी जोधपुरी पगड़ी का बड़ा नाम हुआ था. पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद 2014 में स्वतंत्रता दिवस पर अपने पहले भाषण के दौरान गहरे लाल रंग की जोधपुरी बांधेज पगड़ी पहनी थी. राजस्थान में इन दिनों एक बार फिर जोधपुरी पगड़ी की मांग राजनीति की वजह से बढ़ गई है. निकाय चुनाव के मौसम में जोधपुरी पगड़ियों की खूब बिक्री हुई है.

पूरे देश में जाती हैं पगड़ियां

जोधपुर में पारंपरिक पगड़ी बनाने वाले कारीगर बताते हैं कि राजनीतिक पार्टियों की ओर से उन्हें बड़े ऑर्डर मिले. तिरंगे वाली पगड़ियों और पार्टी के रंगों वाली पगड़ियों की बहुत मांग रही. पगड़ी कारीगर अशोक गहलोत बताते हैं कि जोधपुर की पगड़ियां चुनावों के दौरान पूरे देश में भेजी जाती हैं. वो कहते हैं,"हर चुनाव में हमारे यहां बिक्री बढ़ जाती है. हम हर प्रकार के साफे बनाते हैं. रैलियों के हम थोक में साफे बनाते हैं. बीजेपी, कांग्रेस, आरएलपी, बीएसपी, दक्षिण भारत की पार्टियों के लिए यहां से साफे जाते हैं." जोधपुर में पगड़ियों की खरीद करनेवाले रामकिशोर कहते हैं,"यहां से मैं कांग्रेस, बीजेपी, निर्दलीयों सबके लिए साफे खरीदकर ले जाता हूं. यहां की पाग-पगड़ी की दुकान पूरे भारत में प्रसिद्ध है."

पगड़ी बनाने की होती है ट्रेनिंग

इन कारीगरों के लिए पगड़ी बनाना एक ऐसी कला है जिसमें बहुत हुनर और बारीकी की जरूरत होती है. कारीगर अनुष्का गुप्ता बताती हैं,"पहले हमारी ट्रेनिंग होती है, हमारे गुरुजी 15 दिन ट्रेनिंग देते हैं, इसके बाद हम साफे बनाना शुरू करते हैं."कारीगर कहते हैं कि जोधपुरी पगड़ियों के ग्राहक ऐसे लोग हैं जो परंपरा, कारीगरी और बारीकियों की कद्र करते हैं, इसलिए पगड़ियों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

जोजरी नदी प्रदूषण के संबंध में इंटीग्रेटेड कोऑर्डिनेशन ग्रुप की बैठक आयोजित

जोजरी नदी प्रदूषण समाधान के लिए प्रशासन बेहद गंभीर-सीएस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने कहा कि जोजरी नदी में होने वाले प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए राज्य सरकार एवं प्रशासन बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग पूरी गंभीरता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप शीघ्र विभागवार एक्शन प्लान तैयार कर प्रभावी एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें । मुख्य सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में जोजरी नदी प्रदूषण मामले गठित इंटीग्रेटेड कोऑर्डिनेशन ग्रुप (ICG) की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कार्ययोजना का लक्ष्य केवल तात्कालिक समाधान नहीं, बल्कि जोजरी नदी क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थिति में स्थायी सुधार सुनिश्चित करना होना चाहिए। बैठक में इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों की अनुपालना की प्रगति की समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने बिना उपचार के प्रदूषित जल के प्रवाह की जांच एवं रोकथाम के लिए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित क्षेत्र में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स की स्थिति, उनकी कार्यक्षमता तथा उपचारित जल की गुणवत्ता की समुचित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जोधपुर नगर निगम एवं जोधपुर विकास प्राधिकरण को क्षेत्र की ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा ड्रेनेज सिस्टम के समुचित संचालन एवं रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कृषि विभाग को प्रभावित क्षेत्र में विशेषज्ञ टीम भेजकर मिट्टी की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच, फसलों पर प्रभाव कर आवश्यकता अनुसार दीर्घकालिक सुधारात्मक उपाय करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रदूषण के कारण क्षेत्र के फसल पैटर्न में बदलाव एवं कृषि भूमि पर प्रभाव का अध्ययन कर कार्ययोजना तैयार करने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में मुख्य सचिव द्वारा वन विभाग को संबंधित वन क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में मौजूद कचरे एवं वनस्पति की स्थिति का जायजा लेकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को क्षेत्र में स्तन कैंसर सहित गंभीर बीमारियों से संबंधित शिकायतों के मद्देनजर आवश्यक स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य संबंधी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा गया। पीएचईडी एवं भूजल विभाग को भूजल एवं पेयजल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी तथा क्षेत्र में अतिरिक्त पिजोमीटर लगाये जाने के निर्देश दिए गए, वहीं डीओआइटी विभाग को जोजरी नदी क्षेत्र से संबंधित शिकायतों के पंजीकरण, निस्तारण एवं मॉनिटरिंग के लिए समर्पित पोर्टल शीघ्र विकसित कर संचालित करने को कहा गया। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने इस संबंध में एसआईटी द्वारा दर्ज प्रकरणों की समीक्षा करते हुए पुलिस को दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अध्यक्ष अपर्णा अरोड़ा ने बैठक में जोजरी नदी क्षेत्र की स्थिति, प्रदूषण से संबंधित आंकड़े एवं अब तक की गई कार्यवाही जानकारी प्रस्तुत की।

राजस्थान सीमा पर तरंगशक्ति 2026 का बिगुल। भारतीय वायुसेना ने 17 दिन का नोटम जारी किया

भारत-पाक सीमा पर गरजेंगे 8 देशों के फाइटर जेट्स

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। भारत और पाकिस्तान के बीच बनी अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे राजस्थान के पश्चिमी रेगिस्तान में भारतीय वायुसेना अपने सबसे बड़े बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास 'तरंगशक्ति-2026' की मेजबानी करने जा रही है। जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित होने वाले इस मेगा एक्सरसाइज को लेकर वायुसेना ने 21 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक कुल 17 दिनों के लिए एक 'नोटम' (NOTAM - Notice to Airmen) जारी कर दिया है। इसके तहत जैसलमेर, बाड़मेर, फलोदी और जोधपुर सेक्टर के विशाल हवाई क्षेत्र को पूरी तरह से सैन्य गतिविधियों के लिए आरक्षित कर दिया गया है। सीमा पार महज 20 किलोमीटर की दूरी तक भारतीय लड़ाकू विमानों की दहाड़ सुनाई देगी, जिससे पाकिस्तानी सेना और वहां के रणनीतिकारों में जबर्दस्त खलबली मच गई है।

इस मेगा एयर एक्सरसाइज में दुनिया के 8 शक्तिशाली देश अपने उन्नत एयरक्राफ्ट और फाइटर जेट्स के साथ सीधे तौर पर हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा करीब 30 से अधिक देशों के रक्षा प्रतिनिधि और सैन्य अधिकारी ऑब्जर्वर के तौर पर इस ऐतिहासिक अभ्यास के साक्षी बनेंगे। राजस्थान के 4 प्रमुख सीमावर्ती जिलों के ऊपर 40 हजार फीट तक के आसमान को सैन्य उड़ानों के लिए पूरी तरह रिजर्व किया गया है। भारतीय वायुसेना का यह कदम न केवल अपनी सामरिक ताकत और त्वरित कार्रवाई की रणनीति को परखने का जरिया है, बल्कि यह पाकिस्तान को उसकी दहलीज पर भारत की अंतरराष्ट्रीय रक्षा साझेदारी का सीधा संदेश भी है।

पाकिस्तान सेना में इमरजेंसी बैठकें!

भारतीय वायुसेना द्वारा जारी किए गए नोटम का दायरा इतना व्यापक है कि बीकानेर के नाल एयरबेस के पास इसका एक हिस्सा अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इतने कम फासले पर आधुनिक युद्धक विमानों के अभ्यास की खबर मिलते ही रावलपिंडी और इस्लामाबाद के सैन्य गलियारों में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी थलसेना और वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों ने आपातकालीन बैठकें बुलाकर सीमा पर अपनी चौकसी और रडार सर्विलांस बढ़ा दिया है। भारत के इस युद्धाभ्यास में मित्र देशों के अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट भी शामिल हो रहे हैं, इसी वजह से पाकिस्तान ने सीमा पार अपनी जासूसी और निगरानी गतिविधियों को काफी तेज कर दिया है।

40 हजार फीट की ऊंचाई तक सील होगा एयरस्पेस, जानिए नोटम का पूरा शेड्यूल

'तरंगशक्ति-2026' अभ्यास के दौरान आम नागरिक उड़ानों की सुरक्षा और वायुसेना के लड़ाकू जहाजों के निर्बाध संचालन के लिए एयरस्पेस को 40 हजार फीट की ऊंचाई तक आरक्षित किया गया है। यह नोटम 17 दिनों के दौरान लगातार लागू नहीं रहेगा, बल्कि इसे अलग-अलग चरणों में सुबह 9 बजे से लेकर मध्यरात्रि 12 बजे तक प्रभावी बनाया गया है।

पहला चरण: 21 सितंबर से 24 सितंबर 2026 तक
दूसरा चरण : 28 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक
तीसरा चरण: 1 अक्टूबर से 5 अक्टूबर 2026 तक
अंतिम चरण: 7 अक्टूबर 2026 को

इन निर्धारित तिथियों पर जोधपुर, फलोदी, बाड़मेर और जैसलमेर सेक्टर में वायुसेना के विमान अपनी युद्धक क्षमताओं, हवा से हवा में ईंधन भरने, और सटीक बॉम्बिंग का अभ्यास करेंगे।

8 देशों के फाइटर जेट्स दिखाएंगे ताकत

जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन इस बहुराष्ट्रीय अभ्यास का मुख्य केंद्र बिंदु बना हुआ है। यहां दुनिया की 8 प्रमुख वायुसेनाओं के स्क्वाड्रन अपने-अपने लड़ाकू जहाजों के साथ पहुंच रहे हैं। जानकारी के अनुसार भारतीय वायुसेना के राफेल, सुखोई-30 स्त्रद्ध, तेजस और जगुआर जैसे अग्रिम पंक्ति के विमान विदेशी फाइटर जेट्स के साथ मिलकर मॉक-ड्रिल और कॉम्बैट ऑपरेशन्स को अंजाम देंगे। 30 देशों के सैन्य पर्यवेक्षकों की मौजूदगी इस बात का सबूत है कि वैश्विक स्तर पर भारत की सैन्य साख और रणनीतिक महत्व कितना बढ़ चुका है। इस अभ्यास के जरिए मित्र देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल, साझा रणनीति और आधुनिक तकनीक के आदान-प्रदान को नई मजबूती मिलेगी।

सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है यह अभ्यास

राजस्थान से सटी पश्चिमी सीमा हमेशा से ही रक्षा के दृष्टिकोण से बेहद संवेदनशील रही है। पोकरण और थार के रेगिस्तान में वायुसेना का यह बहुराष्ट्रीय शक्ति प्रदर्शन भारत की ऑपरेशनल रेडिनेस (युद्धक तैयारी) का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि 'तरंगशक्ति-2026' से भारतीय वायुसेना न केवल अपने नए हथियारों और रणनीति का परीक्षण करेगी, बल्कि सीमा पार से होने वाली किसी भी दुस्साहस का करारा जवाब देने के लिए अपनी त्वरित प्रतिरि या क्षमता को भी और धार देगी।

पुनीत अनुपम ग्रुप द्वारा ऑनलाइन 'सावन सृजन महोत्सव' आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

लुधियाना। पुनीत अनुपम ग्रुप द्वारा सावन आगमन के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन 'सावन सृजन महोत्सव' का आयोजन किया गया। जिसमें रचनाकारों को सावन सहित दस अलग-अलग विषयों के विकल्प देकर उनमें से किन्हीं दो विषयों का चयन करके चयनित विषयों पर आधारित रचनाएं लिखने के लिए कहा गया।

इस महोत्सव में देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया। जिन्होंने दिए गए विषयों पर आधारित एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट रचनाओं को प्रस्तुत कर महोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए और महोत्सव को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस महोत्सव में एक ओर जहां वरिष्ठ रचनाकारों ने अपनी विशिष्ट साहित्यिक शैली का प्रदर्शन किया तो दूसरी ओर ग्रुप से जुड़े नवीन रचनाकारों ने भी अपनी अनूठी भावनाओं और विचारों से ग्रुप का ध्यान आकर्षित किया। महोत्सव में सम्मिलित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन "पुनीत साहित्य रत्न" सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार जी ने महोत्सव में प्रस्तुत की गई रचनाओं पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देकर रचनाकारों का मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन किया और सम्मान पाने वाली सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को उज्वल साहित्यिक जीवन की शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही उन्होंने लोगों को ग्रुप द्वारा आयोजित होने वाले भिन्न-भिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए सादर आमंत्रित भी किया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके ग्रुप की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम डॉ. सुनीता डंडरियाल, रागिनी ठाकुर, पूनम लता, संध्या शर्मा, पुजा हरिश्चंद्र धनू रचनाकारों के रहे।

आयुर्वेद विवि मे इंस्टिट्यूशनल एथिक्स कमिटी की मीटिंग का हुआ शुभारंभ

14 विभागों के पीएचडी एवं एमडी आयुर्वेद के शोध प्रस्तावो का होगा अनुमोदन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में संस्थागत नैतिकता समिति के उद्घाटन समारोह का आयोजन कुलगुरु प्रोफेसर गोविंद सहाय शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर गोविंद सहाय शुक्ल, संस्थागत नैतिकता समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर श्रीकृष्ण शर्मा खांडल, आई ई सी सदस्य प्रोफेसर एल एन बुनकर सहित देश के प्रख्यात विषय विशेषज्ञ, महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर राजाराम अग्रवाल, डीन अकादमिक प्रोफेसर गोविंद प्रसाद गुप्ता, पूर्व डीन अकादमिक प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, उपकुलसचिव डॉ. मनोज अधलखा तथा संस्थागत नैतिकता समिति के समन्वयक प्रोफेसर हरीश कुमार सिंघल सहित विवि के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे। पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ़ आयुर्वेद के 14 विभागों के पी एच डी एवं एम डी आयुर्वेद के शोध प्रस्तावो का अनुमोदन होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थागत नैतिकता समिति के सदस्य सचिव प्रोफेसर दिनेश द्वारा औपचारिक स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। उन्होंने उपस्थित अतिथियों एवं संकाय सदस्यों का स्वागत करते हुए संस्थागत नैतिकता समिति की भूमिका तथा शोध कार्यों में नैतिक मानकों के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर संस्थागत नैतिकता समिति (इंटिट्यूशनल एथिक्स कमिटी)के अध्यक्ष प्रोफेसर श्रीकृष्ण शर्मा खांडेल ने शोध की आवश्यकता एवं महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ-साथ आयुर्वेद के शास्त्रीय सिद्धांतों एवं मूल ग्रंथों का समुचित एकीकरण आवश्यक है। उन्होंने शोध कार्यों में वैज्ञानिक पद्धति, नैतिक मूल्यों, शोध की गुणवत्ता तथा शोध प्रतिभागियों के अधिकारों एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संस्थागत नैतिकता समिति विश्वविद्यालय में किए जाने वाले शोध कार्यों को निर्धारित नैतिक एवं वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रोफेसर गोविंद सहाय शुक्ल ने विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण एवं नैतिक शोध को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शोध केवल नवीन ज्ञान के सृजन का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज एवं मानव स्वास्थ्य के हित में उपयोगी एवं प्रमाण-आधारित ज्ञान विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने शोधकर्ताओं को आयुर्वेद के शास्त्रीय ज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक शोध पद्धतियों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए उच्च गुणवत्ता के शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कुलगुरु महोदय ने संस्थागत नैतिकता समिति के गठन एवं उसकी सक्रिय भूमिका को विश्वविद्यालय में नैतिक, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण शोध संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रेक्टिस चरम पर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। क्षेत्र में सरकारी डॉक्टरों की प्राइवेट प्रेक्टिस धड़ल्ले से जारी है। यहां सरकारी सेवा के साथ-साथ घर पर ही प्राइवेट प्रैक्टिस करते-करते बड़े-बड़े निजी अस्पताल तक खोल लिए है। सरकार की ओर से प्रदेश की जनता को उचित व अच्छा ईलाज उपलब्ध करवाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन, ऐसी प्रेक्टिस से मरीजों को सरकार अस्पताल की पर्ची के सहारे डॉक्टरों के निजी अस्पतालों की ओर रुख करना पड़ रहा है।

क्षेत्र के कई नामचीन सरकारी डॉक्टरों ने अपने आवास को ही क्लीनिक बना लिया है, यहां मरीजों से 200 से 500 रुपये शुल्क लिया जा रहा है। इनका कोई पंजीकरण भी नहीं है। इसी तरह महिला चिकित्सकों के डॉक्टर पति के नाम से हॉस्पिटल हैं, तो कई पुरुष डॉक्टर अपनी डॉक्टर पत्नी के नाम से चल रहे हॉस्पिटल में इलाज कर रहे हैं। शहर के बड़े निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों को भी देख रहे हैं। इसके अलावा निजी अस्पतालों में सभी सुविधाओं का भी विस्तार बड़े स्तर पर किया जाता है। साथ ही, अस्पतालों में मेडिकल स्टोर भी स्वयं के स्तर पर ही खोले हुए हैं। यहां भी मरीजों से खुलकर लूट करना आम बात है।

15 सितंबर तक 6 से 12वीं के विद्यार्थी कर सकेंगे ऑनलाइन नामांकन

इंस्पायर-मानक योजना में विद्यार्थियों के नवाचारों को मिलेगा प्रोत्साहन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। भारत सरकार की इंस्पायर-मानक योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विद्यार्थियों से ऑनलाइन नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान ने जिले के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में पात्र विद्यार्थियों का अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन द्वारा संचालित इस योजना के तहत कक्षा 6 से 12 तक अध्ययनरत विद्यार्थी अपने मौलिक एवं नवीन विचारों/नवाचारों के प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। नामांकन प्रक्रिया 15 जुलाई 2026 से प्रारंभ हो चुकी है तथा इसकी अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। विद्यार्थी अपने नवाचारों के प्रस्ताव E-MIAS पोर्टल अथवा मोबाइल ऐप के माध्यम से निर्धारित अवधि में जमा कर सकेंगे। योजना के तहत प्रत्येक विद्यालय से कक्षा 11 या 12 (केवल विज्ञान स्ट्रीम) के अधिकतम दो विद्यार्थियों के विचार नामांकित किए जा सकते हैं। चयनित विद्यार्थियों को मॉडल निर्माण एवं प्रारूप विकास के लिए 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

जिला प्रशासन ने जिले के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों को निर्देश दिए हैं कि वे पात्र विद्यार्थियों को योजना की जानकारी उपलब्ध करवाते हुए अधिक से अधिक नामांकन सुनिश्चित करें। साथ ही निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व शत-प्रतिशत पात्र विद्यालयों द्वारा नामांकन दर्ज करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ताकि जिले के विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक सोच और नवाचारों को मंच प्रदान करने वाली इस योजना का अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

मतदान के साथ सड़क सुरक्षा का भी दिया संदेश

परिवहन विभाग ने वाहनों पर स्टीकर लगाकर एवं ब्रोशर बांटकर किया जागरूक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत परिवहन विभाग द्वारा सोमवार को विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। जिला परिवहन अधिकारी भगवान गहलोत ने बताया कि अभियान के दौरान बालोतरा जिला मुख्यालय के प्रमुख मार्गों पर आमजन को मतदान के साथ सड़क सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी सुशील कुमार यादव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवनेश्वर सिंह चौहान, चुनाव पर्यवेक्षक प्रवीण कुमार की उपस्थिति मतदाता जागरूकता पोस्टर, बैनर, स्टीकर का विमोचन भी किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों के वाहनों पर मतदान जागरूकता स्टीकर लगाश गया। उन्होने ने बताया कि शहर में स्थित नया बस बस स्टेण्ड पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एडीजे मुकेश भगोरा के सानिध्य में मतदान एवं सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। अभियान के तहत विभिन्न प्रतिष्ठानों, शहर के मुख्य मार्गों एवं वाहनों पर मतदाता जागरूकता एवं सड़क सुरक्षा संबंधी स्टीकर लगाए गए तथा वाहन चालकों एवं आमजन को ब्रोशर वितरित किए गए। इस दौरान लोगों से मतदान दिवस पर अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने की अपील की गई।

जिला परिवहन अधिकारी भगवान गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने आमजन से मतदान के साथ यातायात नियमों की पालना करने, वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग करने तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था में सहयोग करने का आह्वान किया।

अभियान के माध्यम से मतदान भी करें, सड़क सुरक्षा का ध्यान भी रखें का संदेश देते हुए आमजन को लोकतांत्रिक जिम्मेदारी और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

हिंदुस्तान जिंक की तीसरी वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन

9700 से अधिक धावकों ने लिया हिस्सा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 चांदी उत्पादकों में शामिल हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने उदयपुर में तीसरी वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन का सफल आयोजन किया। इस वर्ष मैराथन में रिकॉर्ड 9700 से अधिक धावकों ने ऑन-ग्राउंड और वर्चुअल तरीकों से भाग लिया। यह पिछले संस्करण की तुलना में लगभग 45 प्रतिशत अधिक सहभागिता है, जो इस आयोजन की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। भारत की सबसे खूबसूरत मैराथन के रूप में पहचान बना चुकी इस मैराथन में देश और विदेश से आए प्रतिभागियों ने 21.097 किमी हाफ मैराथन, 10 किमी और 5 किमी श्रेणियों में दौड़ लगाई। इस आयोजन ने पूरे उदयपुर को फिटनेस, उत्साह और सामाजिक उद्देश्य के उत्सव में बदल दिया।

मैराथन में राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों और उदयपुर की विभिन्न समुदायों के लोगों के साथ-साथ हिंदुस्तान जिंक की प्रमुख शिक्षा पहल शिक्षा संबल के विद्यार्थियों के लिए विशेष चैंपियंस रेस का भी आयोजन किया गया। अनुभवी धावकों, पहली बार भाग लेने वाले प्रतिभागियों, वरिष्ठ नागरिकों, महिला फिटनेस समूहों, कॉर्पोरेट टीम और दिव्यांग खिलाड़ियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक समावेशी बनाया। मैराथन का शुभारंभ सांसद उदयपुर मन्नालाल रावत, आईजीपी उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव, उदयपुर कलेक्टर गौरव अग्रवाल, एसपी उदयपुर डॉ. अमृता दुहान, राजसमंद कलेक्टर अरुण हसीजा, एसपी राजसमंद हेमंत कलाल, वेदांता समूह के ग्लोबल सीईओ अरुण मिश्रा, हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अमरेंदु प्रकाश, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों, एनी बडी केन रन के संस्थापक डॉ. मनोज सोनी तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सीईओ, हिंदुस्तान जिंक अमरेंदु प्रकाश, ने कहा कि, सिर्फ तीन संस्करणों में इस मैराथन का यह मुकाम हासिल करना बेहद गर्व की बात है। 9700 से अधिक धावकों का उदयपुर में एक साथ आना इस आयोजन की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन खेल, उदयपुर की सुंदरता और यहां के लोगों की सामूहिक ऊर्जा को एक मंच पर लाती है। हमारा लक्ष्य इसे देश की सबसे पसंदीदा मैराथनों में शामिल करना और जिंक सिटी की पहचान को वैश्विक स्तर तक पहुंचाना है। मैराथन ने आगामी राजस्थान नगर निकाय चुनावों से पहले नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक करने का संदेश भी दिया। आयोजन के माध्यम से लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

सुबह के समय बड़ी संख्या में उदयपुरवासियों ने मैराथन के धावकों का उत्साहवर्धन किया। फतेहसागर झील और अरावली पर्वतमाला के मनमोहक दृश्यों के बीच आयोजित इस मैराथन में प्रतिभागियों ने रन फोर जीरो हंगर अभियान का समर्थन करते हुए फिटनेस को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ा। यह मैराथन उदयपुर की जिंक सिटी के रूप में पहचान और यहां की हजारों वर्षों पुरानी जिंक विरासत का भी उत्सव है। हिंदुस्तान जिंक आज इस विरासत को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ा रहा है और यही इस आयोजन को विशेष बनाता है। मैराथन का बढ़ता दायरा उदयपुर को स्पोर्ट्स टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में भी और अधिक सहायक हो रहा है। देश-विदेश से आने वाले धावक, उनके परिवार और फिटनेस समूह स्थानीय होटल, पर्यटन और व्यापार क्षेत्र को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

प्रतियोगिता में धावकों ने शानदार प्रदर्शन किया। 21.097 किमी पुरुष वर्ग में मुकेश कुमार ने 1 घंटा 8 मिनट 47 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में पूजा ने 1 घंटा 26 मिनट 9 सेकंड में दौड़ पूरी कर जीत दर्ज की। 10 किमी पुरुष वर्ग में तेहेंदर ने 32 मिनट 1 सेकंड में रेस पूरी कर पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि महिला वर्ग में कुमारी पारू ने 36 मिनट 49 सेकंड के समय के साथ जीत हासिल की। मैराथन पूरी करने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को हिंदुस्तान जिंक की 99.99 प्रतिशत शुद्ध जिंक से निर्मित विशेष जिंक फिनिशर मेडल प्रदान किया गया। यह मेडल मजबूती, उपलब्धि और जिजीविषा का प्रतीक होने के साथ उदयपुर की जिंक विरासत से भी जुड़ाव स्थापित करता है। जयपुर, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न शहरों के रनिंग समुदायों के साथ-साथ अमेरिका, स्वीडन, इटली, जापान, इंडोनेशिया और केन्या से आए प्रतिभागियों ने भी इस मैराथन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस से प्रमाणित और वैश्विक मैराथन कैलेंडर में सूचीबद्ध वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन ने अपने तीसरे

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म   दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक ....   हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

Jagruk Janta World
R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758 | डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26 /jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta
जयपुर, बुधवार
9 सितम्बर - 15 सितम्बर, 2026
जागरूक दुनिया

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net

भारत , अमेरिका के संस्थानों की टीम ने क्वांटम-पाश को दीर्घजीवी बनाने का तरीका खोजा

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। भारत, कनाडा और अमेरिका के तीन संस्थानों के वैज्ञानिकों की एक टीम ने क्वांटम एंटैंगलमेंट (क्वांटम-पाश) को लंबे समय तक बनाए रखने का एक तरीका खोजा है। क्वांटम कंप्यूटिंग में प्रकाश-कणों के ध्रुवण की स्थिति विशेष की अवधि बढ़ने के लिए सही समय पर एक 'फ्लिप ऑपरेशन' (स्थित पलटने की क्रिया) लागू करके उसको बनाए रखने में सफलता प्राप्त की है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस शोध से यह पता चलता है कि क्वांटम प्रणालियों में रिं या के समान ही क्रिया का समय का भी महत्व है।

छह सीटों पर उपचुनाव छह अक्टूबर को, नतीजे नौ अक्टूबर को

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल और असम में पांच विधानसभा एवं एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव के कार्यर म की घोषणा की। इन सीटों पर छह अक्टूबर को मतदान होगा और मतगणना नौ अक्टूबर को होगी। आयोग के अनुसार चुनाव संबंधी गजट अधिसूचना 9 सितंबर को जारी की जाएगी।

रक्षा खरीद परिषद ने 1.10 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को सैद्धांतिक मंजूरी दी

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बलों के लिए करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को आवश्यकता के आधार पर स्वीकृति यानी सैद्धांतिक मंजूरी दी है जिसमें सेना के लिए रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु एजेंटों की पहचान तथा निगरानी करने वाले टोही वाहन, उच्च गतिशीलता वाले वाहन, स्वचालित यांत्रिक बारूदी सुरंग बिछाने वाली प्रणालियां, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, ट्रॉल टैंक और सर्वत्र पुल प्रणाली शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में इन सौदों को मंजूरी दी गयी। रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु टोही वाहन इन पदार्थों से संबंधित एजेंटों से दूषित क्षेत्रों का पता लगाने, उनकी पहचान करने, निगरानी करने में सक्षम होते हैं जबकि उच्च गतिशीलता वाले वाहन कठिन इलाकों में सैन्य संचालन, रसद सहायता और आवाजाही की क्षमता बढ़ाएंगे।

एनजीटी की भोपाल पीठ ने राजस्थान सरकार को दिये निर्देश

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की मध्य क्षेत्र पीठ, भोपाल ने जयपुर में वायु प्रदूषण से जुड़े मामले में राजस्थान सरकार को प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई अहम निर्देश दिए हैं। अधिकरण ने ग्रीन टैक्स से प्राप्त राशि के इस्तेमाल को लेकर भी गंभीर टिप्पणी करते हुए राज्य के परिवहन विभाग को राजस्थान परिवहन संरचना विकास कोष (आरटीआईडीएफ) के नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति शिव कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने सुनाया।

अलख नयन मंदिर 748 कॉर्निया प्रत्यारोपण करके हासिल की उपलब्धि

उदयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में उदयपुर संभाग में आधुनिक नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यरत अलख नयन मंदिर नेत्र संस्थान ने अब तक 748 कॉर्निया प्रत्यारोपण करके महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के प्रबंध निदेशक डॉ.एल.एस.झाला ने सोमवार को यहां पत्रकारों से कहा कि देश में नेत्रदान के प्रति जागरूकता की कमी के चलते वर्तमान में करीब 11 लाख लोग कॉर्निया के कारण अंधता के शिकार है जिन्हें अब भी रौशनी का इंतजार है। एक कॉर्निया दान से दो आखों को रोशनी मिल सकती है। अलख नयन मंदिर संस्थान दक्षिणी राजस्थान का एक मात्र ऐसा संस्थान है जहां कॉर्निया सर्जरी के विशेषज्ञ अपनी सेवायें दे रहे है।

पेड़ छतरी नहीं, लंग्स जैसे... HC ने रोका सड़क प्रोजेक्ट

कहा-पर्यावरण बचाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को बेहतर भविष्य दे सकें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: झारखंड हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणी की कि पेड़ सिर्फ छतरी नहीं, बल्कि लंग्स हैं। यह कहते हुए हाई कोर्ट ने सड़क निर्माण से जुड़ी उस योजना पर रोक लगा दी, जिसमें 13 हजार से ज्यादा पेड़ काटे जाने थे। इस योजना के तहत झारखंड के चतरा को NH-99 (नए NH-22) और NH-100 (नए NH-522) से जोड़ने वाली प्रस्तावित बाईपास सड़क को बनाया जाना था। कोर्ट ने पाया कि मौजूदा अलाइनमेंट के तहत 13,681 पूर्ण विकसित पेड़ों को काटना पड़ेगा।

कोर्ट ने कहा कि 13,681 पेड़ों की संख्या छोटी नहीं है। इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों को काटने से पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। पर्यावरण को होने वाली क्षति अपूरणीय हो सकती है।

हाई कोर्ट ने कहा, पर्यावरण को नुकसान अपूर्णीय

हाई कोर्ट ने कहा कि कुछ मील की दूरी कम करने के मकसद से जंगल, पर्यावरण, वनस्पति, जीव-जंतुओं और वन्यजीवों को नष्ट किया जा रहा है। विकास के नाम पर होने वाली ऐसी 'विकासात्मक आपदाओं' को जहां संभव हो, कम किया जाना चाहिए। इसका समाधान तलाशना जरूरी है, लेकिन ऐसा समाधान केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए नहीं, बल्कि भविष्य के लिए होना चाहिए। यह पीढ़ी पर्यावरण की मालिक नहीं, बल्कि उसकी संरक्षक है, जिसे इस पर्यावरण को अगली पीढ़ी को सौंपना है।

13,681
पेड़ काटे जाने थे

- झारखंड के चतरा में NH-99 (नए NH-22) और NH-100 (नए NH-522) को जोड़ने वाली बाईपास रोड बननी है।
- राज्य सरकार ने बताया, मौजूदा अलाइनमेंट में 13,681 पूर्ण विकसित पेड़ों को काटना पड़ेगा।
- याचिका में गुहार, रोड अलाइनमेंट में बदलाव हो।

जंगल का अर्थ सिर्फ पेड़ नहीं है। इसमें जानवर, पक्षी, कीड़े और जीवन के अन्य रूप भी शामिल हैं। ...बड़े पैमाने पर पौधरोपण से इसकी भरपाई नहीं की जा सकती। लगाए गए पौधों को पूर्ण पेड़ और जंगल बनने में 100 वर्ष से अधिक समय लग सकता है। *- झारखंड हाई कोर्ट*

राज्य सरकार ने बताया, 13,681 पेड़ काटने होंगे

याचिकाकर्ता ने कहा कि अलाइनमेंट में बदलाव से जमीन पर खड़े करीब 300 पूर्ण विकसित पेड़ों को बचाया जा सकता है। राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि मौजूदा अलाइनमेंट में परियोजना के लिए कुल 13,681 पेड़ों की कटाई करनी होगी। सभी पेड़ पूर्ण विकसित हैं।

बाई पास रोड पर नए सिरे से विचार

कोर्ट ने याचिकाकर्ता को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। साथ ही, कहा कि अगले आदेश तक चिह्नित पेड़ों में से एक भी नही काटा जाएगा। कोर्ट ने पुनः अलाइनमेंट पर नए सिरे से विचार करने की छूट दी।

अरावली पर कमिटी को मोहलत से SC का इनकार

जागरूक जनता @ नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर्वतमाला की परिभाषा और उसके संरक्षण से जुड़े मुद्दे पर अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने के लिए हाई-पावर्ड कमिटी को 6 महीने का अतिरिक्त समय देने से सोमवार को साफ इनकार किया। कोर्ट ने कमिटी को 30 नवंबर तक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि तय समय में रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई तो पूरी कमिटी को फिर से गठित किया जाएगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली पीठ ने कहा कि कमिटी को रिपोर्ट तैयार करने के लिए तेजी से काम करना होगा। चीफ जस्टिस ने कहा, 'कमिटी ने पहली ही कलम चलाते हुए समय बढ़ाने की मांग की। लगता है कि वे मेरे रिटायर होने का इंतजार कर रहे हैं।' चीफ जस्टिस सूर्यकांत 9 फरवरी को रिटायर होंगे।

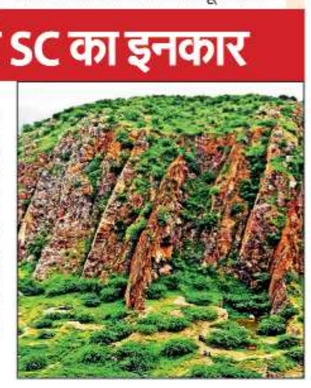

AfD पहली बार किसी जर्मन राज्य में सरकार बनाने जा रही

जर्मनी के पूर्वी प्रांत का 'राइट टर्न' पहली बार दक्षिणपंथी सत्ता के करीब

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जर्मनी की धुर दक्षिणपंथी पार्टी 'अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी' यानी AfD ने देश के पूर्वी राज्य सैक्सनी-अनहाल्ट (Saxony-Anhalt) के चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। इस दल को करीब 44% वोट मिले हैं और वह सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद AfD पहली बार किसी जर्मन राज्य में सत्ता के करीब पहुंची है।

रविवार को आए शुरुआती नतीजों में AfD को 43.8% वोट मिले। राज्य की 83 सदस्यों वाली असेंबली में उसे 39 सीटें मिलने का अनुमान है। बहुमत के लिए 42 सीटों की जरूरत है। 35 वर्षीय उलरिष जीगमुंड (Ulrich Siegmund) की अगुआई वाली AfD ने सरकार बनाने के लिए दूसरे दलों और निर्दलीय सांसदों से समर्थन मांगना शुरू कर दिया है। जीगमुंड ने कहा कि हमें सरकार बनाने का स्पष्ट जनादेश मिला है। नाजी इतिहास की वजह से मुख्यधारा की पार्टियां लंबे समय से दक्षिणपंथी मानी जाने वाली पार्टियों से दूरी रखती हैं। AfD पर भी दक्षिणपंथी कट्टरपंथ के आरोप लगते रहे हैं, इसलिए उसका किसी राज्य में सत्ता के करीब पहुंचना जर्मन राजनीति में बड़ा बदलाव है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार AfD को ऐसी जीत

रूस ने इस जीत को ऐतिहासिक बताया है। फ्रांस ने इसे पूरे यूरोप के लिए गंभीर समय बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर नतीजे की तस्वीर साझा की।

AP

यह सिर्फ सैक्सनी-अनहाल्ट की बात नही है। यह पूरे जर्मनी के लिए संकेत है- आत्मविश्वास से भरा संकेत। *- उलरिष जीगमुंड, AfD के नेता*

AfD नेताओं टीनो (बाएं) और एलिस (दाएं) के साथ उलरिष जिगमुंड।

35 साल के उलरिष जीत के हीरो

35 साल के उलरिष जिगमुंड 2016 से सैक्सनी-अनहाल्ट की विधानसभा के सदस्य है। सोशल मीडिया पर अच्छी पकड़ है। माना जाता है कि उनकी जीत में Gen Z के समर्थन का बड़ा हाथ है। वह अपनी पार्टी के कट्टरपंथी नेताओं के मुकाबले ज्यादा नरम माने जाते है। जिगमुंड ने कहा कि लोगों ने साफ कर दिया है कि वे राजनीतिक बदलाव चाहते हैं।

प्रवासियों पर कड़े

AfD का जोर अवैध प्रवास रोकने, प्रवासियों को मिलने वाली सुविधाओं में कटौती और बड़ी संख्या में लोगों को वापस भेजने की नीति पर है। चुनाव में यह बहस का मुद्दा बना।

चांसलर को झटका

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्त्स और उनकी पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स (सीडीयू) के लिए बड़ा झटका है, जिसे महज 17.2% वोट मिले हैं। CDU 24 साल से इस प्रांत में सत्ता में थी।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

AfD की जीत से जुड़े सवाल

पूर्वी जर्मनी के एक छोटे राज्य में धुर-दक्षिणपंथी पार्टी AfD की जीत से पूरे यूरोप में खलबली मची है। जर्मनी में जिन वजहों से पार्टी को जीत मिली, वैसे मुद्दे ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, स्पेन में भी उठाए जाते रहे हैं। अगले साल फ्रांस, इटली, स्पेन में चुनाव है, जहां धुर-दक्षिणपंथी नेता मजबूत हो रहे हैं। ये AfD के तरीकों का इस्तेमाल कर चुनाव जीतने की कोशिश कर सकते हैं। पर इन नेताओं का सत्ता में आना उदारवादी लोकतंत्र के लिए बुरी खबर है।

पॉर्न से कमाई करेगा यूक्रेन, खरीदेगा ड्रोन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रूस के खिलाफ जंग में पैसों की तंगी से जूझ रहा यूक्रेन रकम जुटाने के लिए अडल्ट एंटरटेनमेंट और पॉर्न इंडस्ट्री को वैध करने और उस पर टैक्स लगाने की सोच रहा है। अमेरिकी मीडिया 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' (WSJ) की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक, इससे सरकार को हर साल करीब 2.5 करोड़ डॉलर यानी करीब 236 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आमदनी हो सकती है। यूक्रेन के एक सांसद के मुताबिक, इतनी रकम से करीब 30 हजार हमलावर ड्रोन खरीदे जा सकते हैं।

अभी यूक्रेन में पॉर्न कंटेंट बनाने, इसके प्रसार और बिक्री पर प्रतिबंध है। ऐसा करने पर 7 साल तक जेल हो सकती है। पॉर्न को वैध करने के प्रस्ताव के समर्थकों का तर्क है कि पुलिस को अडल्ट कंटेंट से जुड़े मामलों के बजाय गंभीर अपराधों पर ज्यादा ध्यान देने का मौका मिलेगा। फिलहाल इस कारोबार का बड़ा हिस्सा कानूनी कार्रवाई के डर से छिपकर चल रहा है।

यूक्रेन की संसद ने जुलाई में इस बिल को पहली रीडिंग में मंजूरी दी थी। अब इसे दूसरी रीडिंग के लिए पेश किया जाना है। पहली रीडिंग में बिल के पक्ष में 231 सांसदों ने वोट दिया, जबकि 8 ने विरोध किया। 3 सांसद मतदान से दूर रहे।

अडल्ट एंटरटेनमेंट को यूक्रेन में वैध बनाने और उस पर टैक्स की तैयारी

मॉस्को में कानपुर के इंजिनियर समेत दो भारतीय हिरासत में

पत्नी का आरोप, रूसी सेना में भेजने का बना रहे है दबाव।

जेजे न्यूज @मॉस्को : रूस के मॉस्को में दो भारतीयों को हिरासत में लिया गया है। सरकार के सूत्रों ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने शनिवार देर रात इन्हें हिरासत में लिया गया। इनकी पहचान चंदन गुप्ता और उनके दोस्त आशीष के रूप में हुई, जो भारतीय कंपनी 'फ्लेक्स फिल्म्स' की स्थानीय यूनिट में काम करते थे।

चंदन कानपुर के हैं। उनकी पत्नी स्नेहा गुप्ता ने रविवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि मॉस्को पुलिस उन पर जबरन रूसी सेना में शामिल होने का दबाव डाल रही है।

सुखोई का होगा ओवरहॉल, नौसेना को मिलेंगे अरुधरा रेडार...

सेना के लिए खरीदे जाएंगे अडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने सेना, वायुसेना और नौसेना के लिए करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये की लागत वाले रक्षा उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में DAC की बैठक में सेना के लिए रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (CBRN) खतरों की पहचान करने वाले रेकी वाहन, हाई मोबिलिटी वाहन (HMV), सेल्फ-प्रोपेल्ड मकैनिकल माइन लेयर्स (MML), अडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ALH), ट्रॉल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम खरीदने को मंजूरी दी गई। वायुसेना के करीब 40 सुखोई- 30 MKI के ओवरहॉल की भी मंजूरी दी गई।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, CBRN रेकी वाहन ऐसे इलाकों का पता लगाने, उनकी पहचान और निगरानी करने में सक्षम होंगे, जहां रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल या परमाणु एजेंट से खतरा या प्रदूषण हुआ हो। हाई मोबिलिटी वाहन मुश्किल इलाकों में आवाजाही बेहतर बनाएंगे। MML से कठिन इलाकों में तेजी से और प्रभावी तरीके से बारूदी सुरंगें बिछाने की क्षमता बढ़ेगी। अडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ALH) सेना और वायुसेना के लिए हर तरह के इलाके और अलग-अलग ऑपरेशनल परिस्थितियों में जटिल मिशन को अंजाम देने में इस्तेमाल किए जाएंगे। ट्रॉल टैंक और ब्रिज सिस्टम अलग-अलग तरह के इलाकों में नदी या अन्य बाधाओं को पार कराने के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे।

डीएसी ने वायुसेना के लिए फाइटर एयरक्राफ्ट, ट्रांसपोर्ट एयक्राफ्ट और हेलिकॉप्टर्स की युद्धक क्षमता बढ़ाने से जुड़े कई प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

1.10 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों की खरीद को मंजूरी

- सेना के लिए रासायनिक, जैविक, एटमी खतरों की पहचान वाले रेकी वाहन खरीदेंगे
- मुश्किल इलाकों में बेहतर आवाजाही के लिए हाई मोबिलिटी वाहन (HMV) खरीदे जाएंगे।

मरीन गैस टर्बाइन

नौसेना के लिए अरुधरा रेडार और मरीन गैस टर्बाइन के डिजाइन, डिवेलपमेंट और फिर इसकी खरीद को मंजूरी दी गई है। अरुधरा रेडार नौसेना के अलग-अलग एयर स्टेशन पर लगे मौजूदा एयर रूट सर्विलांस रेडार की जगह लगाए जाएंगे। मरीन गैस टर्बाइन युद्धपोतों में इस्तेमाल होने वाला प्रपल्सन सिस्टम है। इसके स्वदेशी डिजाइन और विकास से विदेशी कंपनियों पर निर्भरता घटेगी।

लोकल सर्कल्स सर्वे

39% ऑनलाइन खरीदारों को एक्सपायरी डेट नहीं दिखी

AI Image

क्या बेस्ट बिफोर डेट मिली?

- **33%** ने कहा किसी भी ऐप/वेबसाइट पर यह तारीख नहीं मिली
- **14%** ने कहा, ज्यादातर जगह यह जानकारी थी
- **6%** ने जवाब दिया कि कुछ ऐप और वेबसाइट पर थी
- **27%** ने बताया कि सभी ऐप/वेबसाइट पर यह जानकारी मिली
- **6%** ने बताया कि बहुत कम जगह यह जानकारी मिली
- **14%** ने कहा, इस बारे में कुछ नही कह सकते है

ऑनलाइन किराने का सामान खरीदने वालों का अनुभव है कि ज्यादातर FMCG कंपनियों, Direct-to-Consumer (D2C) वेबसाइट्स और ऐप्स पर किसी प्रॉडक्ट की 'बेस्ट बिफोर' या एक्सपायरी की तारीख दिखाई नही दी। LocalCircles के सर्वे मे 39% लोगों ने यह बात कही। वही, 33% ऐसे थे, जिन्होंने कहा कि हमें ऑनलाइन मंगाए गए किसी भी किराना सामान में यह तारीख नही देखी। सिर्फ 27% लोग ऐसे थे, जिन्होंने कहा कि हमने ऑनलाइन जो किराना सामान मंगाया , उनमें 'बेस्ट बिफोर' की यह तारीख दिखी। साल 2017 से ऑनलाइन प्रॉडक्ट्स के लिए यह जरूरी है।

2017 से ही प्रॉडक्ट्स पर बेस्ट बिफोर डेट देना जरूरी

हवा में विमान, तेल खतरनाक स्तर तक कम, कोच्चि में इमरजेंसी लैंडिंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: एयर इंडिया और इंडिगो के बाद अब एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक इंटरनैशनल फ्लाइट में तकनीकी समस्या सामने आई है। घटना 31 अगस्त को उड़ान संख्या IX-415 में सामने आई। यह कोच्चि से अबू धाबी जा रही थी। बीच रास्ते में पायलट को संकेत मिले कि हवाई जहाज के एक इंजन का तेल खतरनाक स्तर तक कम हो रहा है। पायलट ने तुरंत हवाई जहाज के इंजन-1 को बंद कर दिया और कोच्चि से उड़ान भरने के 90 मिनट बाद फिर से कोच्चि में ही इमरजेंसी लैंडिंग कराई। सब सुरक्षित रहे। यह बोइंग का 737-800 प्लेन था।

इस मामले में एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा कि घटना करीब एक सप्ताह पहले कोच्चि-अबू धाबी उड़ान की है। इसे सुरक्षा नियमों के तहत वापस लाया गया। बाद में यात्रियों को दूसरे प्लेन से अबू धाबी भेजा गया। एयरलाइन ने कहा कि फ्लाइट सुरक्षित लैंड कर गई। मामले में सूत्रों ने बताया कि विमान में करीब 12 हजार किलो फ्यूल था। उड़ान भरने के तकरीबन 50 मिनट बाद दोनों पायलटों को कॉकपिट में तेल कम होने के संकेत मिलने लगे। यह संकेत तेल के खतरनाक स्तर तक कम होने के मिलने लगे। पायलटों ने ऐसी स्थिति में नॉन नॉर्मल चेकलिस्ट का पालन करते हुए उस इंजन नंबर-1 को बंद कर दिया। फिर 90 मिनट बाद एक ही इंजन के सहारे कोच्चि वापस लौटे।

जिस प्लेन में खराबी आई वह बोइंग 737-800 का था

अबू धाबी जा रही थी उड़ान

- 31 अगस्त को एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट का मामला
- 90 मिनट बाद उड़ान के संकेत मिले थे
- एक इंजन का तेल डेंजर लेवल तक कम हो गया था

रनवे से फिसला, गाड़ियों से भिड़ा विमान

एपी, मायामी: अमेरिका के मायामी इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर रविवार को बोइंग कार्गो प्लेन लैंडिंग के बाद फिसलकर रनवे से बाहर सड़क पर आ गया और इस दौरान कई गाड़ियों से टकरा गया। इससे विमान में आग लग गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य घायल हुए है, जिनमें 3 की हालत गंभीर है। यह विमान ऐमजॉन के प्राइम एयर नेटवर्क से जुड़ा था। विमान प्यूर्टो रिको से उड़ान भरकर मायामी पहुंचा था।

अमृतसर में प्रतियोगिता के ड्रोन से हड़कंप

जेजे न्यूज @ नई दिल्ली: पंजाब के अमृतसर इंटरनैशनल एयरपोर्ट के ऊपर रविवार रात पाकिस्तानी ड्रोन उड़ने के शक में ऐसी अफरातफरी मची कि एयरपोर्ट पर आने-जाने वाली कई उड़ानों को तुरंत प्रभाव से रोकना पड़ा। सारे ऑपरेशंस शटडाउन कर दिए गए। करीब 1 घंटे 25 मिनट तक पूरा एयरपोर्ट बंद रहा। जांच में पता चला कि यह पाकिस्तानी ड्रोन नहीं, बल्कि एयरपोर्ट के पास ही चल रहे खेल टूर्नामेंट की कवरेज के लिए उड़ाए गए ड्रोन थे, जो एयरपोर्ट और रनवे के ऊपर से उड़ान भर रहे थे। अब जांच यह हो रही है कि जब एयरपोर्ट के आसपास 10 Km. के दायरे में ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी है तो फिर यह ड्रोन वहां क्यों उड़ाए जा रहे थे? मामले की शुरुआत रविवार रात करीब 9:45 बजे से हुई। ड्रोन की संख्या दो से चार बताई गई।

चोरी के डर से छत पर पहुंचाई SUV

- बिहार के गोपालगंज में नई स्कॉर्पियो को चोरी से बचाने के लिए उसे क्रेन की मदद से दो मंजिला मकान की छत पर चढ़वा दिया। इसका विडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।
- लोगों ने बताया कि गाड़ी मनोज यादव की है, जो इस्राइल में नौकरी करते हैं। ड्राइवर के भी विदेश जाने पर उन्होंने गाड़ी को चोरी से बचाने के लिए उसे क्रेन से छत पर रखवाया।

'विवाद में आई कंपनी से रक्षा मंत्रालय का नाता नहीं'

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: एस्टोनिया के रक्षा मंत्री के इस्तीफे से विवादों में आई भारतीय कंपनी से रक्षा मंत्रालय ने दूरी बनाई है। मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि इस कंपनी से ना तो मंत्रालय का कोई संबंध है, ना ही कारोबार। NECO Defence नागपुर की पुरानी और जानी-मानी स्टील बनाने वाली कंपनी का हिस्सा है। हाल में इसने इटली की छोटी हथियार और गोला-बारूद बनाने वाली कंपनी Datasel को खरीदा है। कंपनी की रोमानिया में भी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है। वहां उसे तोप के गोले भरने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इन गोलों की सप्लाई एस्टोनिया को की जानी है, जो आगे इन्हें यूक्रेन को देगा। एस्टोनिया के रक्षा मंत्री हैनो पेवकुर ने पिछले हफ्ते रक्षा खरीद घोटाले में फंसने के बाद इस्तीफा दिया था। इसमें भारतीय मालिकाना हक वाली कंपनी शामिल थी।

एस्टोनिया के रक्षा मंत्री को देना पड़ा इस्तीफा

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा